संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 79
पृष्ठ 8
शनिवार
06 दिसम्बर 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दिसंबर में घूम आएं मनाली के....
विचार- ना साड़ी, ना लहंगा-जाह्नवी का ...
खेल- आंद्रे रसेल ने तोड़ी चुप्पी, अचानक...

ओडीओपी 2.0 लांच करेगी योगी सरकार, मुख्यमंत्री बोले-

ब्रांड यूपी की पहचान बनने के बाद ये समय की जरूरत

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि ब्रांड उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुकी 'एक जनपद– एक उत्पाद योजना' अब अपने अगले चरण ओडीओपी 2.0 टू के माध्यम से स्थानीय उद्योग, स्वरोज़गार और निर्यात को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक बाजार, आधुनिक मांग, तकनीकी उन्नयन, गुणवत्ता और पैकेजिंग की नई आवश्यकताओं को देखते हुए ओडीओपी को अब और अधिक व्यापक, व्यावसायिक और परिणामोन्मुखी स्वरूप में आगे बढ़ाने की जरूरत है। ओडीओपी 2.0 के माध्यम से सरकार का लक्ष्य होगा कि प्रदेश के पारंपरिक उत्पाद बड़े बाज़ार, निर्यात और स्थायी रोजगार का मजबूत आधार बनें। शुक्रवार को इस संबंध में हुई महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जनपद की विशिष्ट खाद्य परंपरा को भी एक संगठित पहचान देने की दिशा में श्एक जनपद–एक व्यंजनश (ओडीओसी) की अवधारणा को साकार करने की भी जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि श्एक जनपद–एक व्यंजनश योजना उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ी हुई है। प्रदेश के हर क्षेत्र में खान–पान की कुछ न कुछ विशिष्ट परंपरा है। कहीं हलवा अच्छा है तो कहीं दालमोठ। उन्होंने कहा कि हर जिले के विशेष व्यंजनों की मैपिंग कर उनकी गुणवत्ता, स्वच्छता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन को सुदृढ़ किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडीओपी और ओडीओसी मिलकर उत्तर प्रदेश को लोकल से ग्लोबल की दिशा में नई गति देंगे। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2018 में प्रारंभ ओडीओपी योजना आज उत्तर प्रदेश के निर्यात और स्थानीय उद्योगों की रीढ़ बन चुकी है। अब तक 1.25 लाख से अधिक टूलकिट वितरित किए जा चुके हैं, 06 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरण हो चुका है और 08 हजार से अधिक उद्यमियों को प्रत्यक्ष विपणन सहायता दी गई है। प्रदेश में तीस साझा सुविधा केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और 44 ओडीओपी उत्पादों को अब तक जियो टैग प्राप्त हो चुके हैं। ओडीओपी उत्पाद आज प्रतिष्ठित ई–कॉमर्स प्लेटफार्म पर उपलब्ध हैं और राज्य के कुल निर्यात में इनका योगदान पचास प्रतिशत से अधिक है। ओडीओपी को लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री ने ओडीओपी 2.0 को लेकर कहा कि यह अब केवल एक योजना नहीं, बल्कि स्थायी रोजगार, स्थानीय उद्यम और निर्यात को नई ऊंचाई देने का सशक्त माध्यम बने। उन्होंने कहा कि अब उन इकाइयों और उद्यमियों को आगे बढ़ाने पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जिन्होंने पहले चरण में उत्कृष्ट कार्य किया है, ताकि वे अपने व्यवसाय का और विस्तार कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं को इस तरह आगे बढ़ाया जाए कि तकनीक, पैकेजिंग, गुणवत्ता और बाजार सहित चारों मोर्चों पर उत्तर प्रदेश के उत्पाद सशक्त रूप में स्थापित हों। बैठक में यह भी बताया गया कि ओडीओपी से जुड़े कॉमन फैसिलिटी सेंटरों को अब और अधिक उपयोगी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कॉमन फैसिलिटी सेंटरों के साथ विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि छोटे उद्यमियों को तकनीकी परामर्श, डिज़ाइन, पैकेजिंग और उत्पादन से जुड़ा पूरा सहयोग एक ही स्थान पर सुलभ हो सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि ओडीओपी उत्पादों को केवल पारंपरिक बाजारों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें बड़े रीटेल नेटवर्क और आधुनिक बाजारों से जोड़ा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि देश के विभिन्न राज्यों में स्थापित हो रहे यूनिटी मॉल में ओडीओपी के समर्पित केंद्र बनाए जाएं। साथ ही सभी प्रतिष्ठित रीटेल नेटवर्क के साथ संवाद कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां उत्तर प्रदेश के उत्पाद प्रमुख रूप से प्रदर्शित हों। बैठक में यह जानकारी भी दी गई कि ओडीओपी उत्पादों की गुणवत्ता और पहचान को और सुदृढ़ करने के लिए उन्हें प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से प्रमाणन और ब्रांड मूल्य प्रदान किया जाएगा, जिससे वैश्विक बाजार में उत्तर प्रदेश के उत्पाद विशिष्ट पहचान बना सकें।

रूस–भारत के रिश्ते नयी ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भारत और रूस के बीच मजबूत और बढ़ते सहयोग की पुष्टि करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के रिश्तों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने की जरूरत है। श्री मोदी ने शुक्रवार को वार्षिक भारत–रूस शिखर सम्मेलन की शुरुआत में अपने संबोधन में यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर भारत के रुख पर जोर देते हुए कहा भारत शांति के साथ है और दुनिया को शांति की ओर लौटना चाहिए। श्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का दो दिवसीय भारत के राजकीय दौरे के दौरान यहां उनका स्वागत करते हुए दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी और समय की कसौटी पर खरी उतरी मित्रता पर जोर दिया। उन्होंने श्री पुतिन को रूसी भाषा में अनुवादित भगवद् गीता की एक कॉपी भेंट की, और कहा, गीता की शिक्षाएं दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। श्री मोदी ने श्री पुतिन के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा, यह दौरा बहुत ऐतिहासिक है, आपने एक अग्रणी नेता की दूरदर्शी सोच की काबिलियत को पूरा किया है। श्री मोदी ने शांति के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया, और कहा, हम सभी को शांति के रास्ते पर चलना होगा और भारत शांति बहाली की सभी कोशिशों का समर्थन करता है। यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष पर श्री मोदी ने साफ़ तौर पर कहा भारत का रूख तटस्थ नहीं है और वह शांति के साथ है। उन्होंने बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों के ज़रिए इस विवाद को खत्म करने की अपील करते हुए कहा, हम इस विवाद के शांतिपूर्ण हल का समर्थन करते हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने श्री मोदी की टिप्पणियों का जवाब देते हुए भारत यात्रा के निमंत्रण के लिए शुक्रिया अदा किया । उन्होंने कहा , भारत यात्रा के लिये आमंत्रित जाने के लिए मैं श्री मोदी का शुक्रगुजार हूं। श्री पुतिन ने शांति के लिए अपनी प्रतिबद्वता दोहराते हुए कहा, शांति के मुद्दे पर, दोनों देश एक साथ हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि रूस विवाद के शांतिपूर्ण हल की दिशा में काम कर रहा है।

आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद : पुतिन

नयी दिल्ली, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें भारत आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान श्री पुतिन ने कहा, ''प्रिय प्रधानमंत्री, प्रिय दोस्तों, सबसे पहले, निमंत्रण और कल की बहुत अच्छी शाम के लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।''

यूक्रेन मुद्दे पर शांति के प्रति रूस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए श्री पुतिन ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत में चल रहे इस कामकाजी दिन से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने रूस और भारत के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख किया और यूक्रेनी मुद्दे को हल करने में मदद करने के लिए श्री मोदी के प्रयासों की सराहना की। रूसी राष्ट्रपति ने संभावित शांतिपूर्ण समाधान के संबंध में रूस और अमेरिका की कार्रवाइयों के बारे में भी प्रधानमंत्री मोदी को सूचित करते हुए इस मसले में कूटनीति और बातचीत का उल्लेख किया। गौरतलब है कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद श्री पुतिन की यह पहली भारत यात्रा है। यह ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश तेजी से जटिल होते भू–राजनीतिक परिदृश्य से गुजर रहे हैं। रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के दबाव में है, और भारत रूस के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने की दिशा में काम कर रहा है। रूसी हथियारों और ऊर्जा आयात का सबसे बड़ा खरीदार होने के नाते, रूस के लिए भारत एक महत्वपूर्ण भागीदार बना हुआ है। रूस, भारत के लिए रक्षा प्रौद्योगिकी का एक भरोसेमंद स्रोत रहा है।

उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्ति पंजीकरण के लिए बड़ी राहत

किरेन रिजिजू ने दी तीन महीने की छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार पंजीकरण की समय सीमा के बाद अगले तीन महीनों तक वक्फ कानून के तहत उम्मीद पोर्टल पर संपत्ति पंजीकृत करने वाले मुतवल्लियों पर जुर्माना नहीं लगाएगी या सख्त कार्रवाई नहीं करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए, रिजिजू ने कहा कि कई सांसदों और सामाजिक नेताओं ने समय सीमा, जो 5 दिसंबर है, बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने छह महीने की समय सीमा के बाद इसे देने से इनकार कर दिया। केंद्रीय मंत्री ने मुतवल्लियों से आग्रह किया कि वे न्यायाधिकरण से संपर्क करें, क्योंकि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के तहत, न्यायाधिकरण को विस्तार देने का अधिकार है। किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ कानून बनाने के बाद, हमने उम्मीद पोर्टल लॉन्च किया था और संबंधित पक्षों को पोर्टल पर सभी वक्फ संपत्तियों को पंजीकृत करने के लिए छह महीने का समय दिया गया था। आज आखिरी दिन है, और लाखों संपत्तियां अभी भी पंजीकृत नहीं हुई हैं। कई सांसद और सामाजिक नेता मेरे पास समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध करने आए थे। अब तक, डेढ़ लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां श्उम्मीदश पोर्टल पर पंजीकृत हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी मुतवल्लियों को आश्वस्त करता हूँ कि अगले तीन महीनों तक, हम श्उम्मीदश पोर्टल पर पंजीकरण करने वालों पर कोई जुर्माना नहीं लगाएंगे या कोई सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे। यदि आप पंजीकरण करने में असमर्थ हैं, तो मेरा अनुरोध है कि आप न्यायाधिकरण में जाएँ। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया था कि छह महीने की समय सीमा के बाद तारीख नहीं बढ़ाई जा सकती, लेकिन न्यायाधिकरण के पास इसे छह महीने तक आगे बढ़ाने का अधिकार है। रिजिजू ने ज़ोर देकर कहा कि केंद्र अधिकतम राहत तो देगा, लेकिन वह क़ानून से बंधा हुआ है। उन्होंने कहा कि हम अपने लोगों को अधिकतम राहत देने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ चीज़ें क़ानून से बंधी होती हैं। चूँकि संसद ने वक्फ़ संशोधन अधिनियम पारित कर दिया है, इसलिए हम क़ानून में बदलाव नहीं कर सकते। इससे पहले सोमवार को, शीर्ष अदालत ने वक्फ़ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार वक्फ़ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए श्छह महीने की समय सीमाश बढ़ाने की मांग वाली याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया था।

मुंबई उच्च न्यायालय ने लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने की मस्जिद की याचिका खारिज की

मुंबई, एजेंसी। मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति देने के अनुरोध से संबंधित एक मस्जिद की याचिका खारिज कर दी और कहा कि उसे धार्मिक कार्यों को अधिकार का मामला बताकर लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने का हक नहीं है। अदालत ने उच्चतम न्यायालय के आदेशों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी धर्म में ध्वनि उपकरणों का इस्तेमाल करके या ढोल बजाकर प्रार्थना करने का आदेश नहीं है। न्यायमूर्ति अनिल पंसारे और न्यायमूर्ति राज वाकोड़े की पीठ ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण का मुद्दा बार–बार सामने आ रहा है। अदालत ने स्वत: संज्ञान लेते हुए महाराष्ट्र सरकार को एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने एक दिसंबर के आदेश में गोंदिया जिले की मस्जिद गौसिया की याचिका खारिज कर दी, जिसमें नमाज के लिए लाउडस्पीकर उपयोग करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है।

शादी की उम्र न हुई हो, तब भी लिव–इन' में रह सकते हैं बालिग: राजस्थान उच्च न्यायालय

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान उच्च न्यायालय ने कहा कि दो बालिग व्यक्ति अपनी मर्जी से 'लिव–इन' में रह सकते हैं भले ही अभी उनकी शादी के लिए जरूरी कानूनी उम्र न हुई हो। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि किसी के संवैधानिक अधिकारों को इस आधार पर कम नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति अनूप ढांड ने कोटा निवासी 18 वर्षीय महिला और 19 वर्षीय पुरुष द्वारा सुरक्षा के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। महिला और पुरुष ने अदालत को बताया कि वे अपनी मर्जी से साथ रह रहे हैं। इस आदेश की प्रति बृहस्पतिवार को उपलब्ध हुई। इस युगल ने कहा कि उन्होंने 27 अक्टूबर 2025 को 'लिव–इन एग्रीमेंट' किया था। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि महिला के परिवार ने इस रिश्ते का विरोध किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कोटा पुलिस में इस बारे में शिकायत की तो उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिका का विरोध करते हुए लोक अभियोजक विवेक चौधरी ने कहा कि चूंकि युवक की उम्र 21 साल नहीं हुई है, जो पुरुषों के लिए शादी की न्यूनतम कानूनी उम्र है तो उसे 'लिव–इन' में रहने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। अदालत ने इस दलील को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत जीवन और निजी आजादी के अधिकार को सिर्फ़ इसलिए नहीं नकारा जा सकता कि याचिकर्ताओं की शादी के लिए जरूरी कानूनी उम्र नहीं हुई है। न्यायाधीश ने आदेश में कहा, ''सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वह हर व्यक्ति के जीवन और आजादी की रक्षा करे।'' उन्होंने कहा कि भारतीय कानून के तहत 'लिव–इन' पर रोक नहीं है और न ही इसे अपराध माना जाता है। उन्होंने भीलवाड़ा और जोधपुर (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक को याचिका में उल्लेखित तथ्यों का सत्यापन करने व जरूरत पड़ने पर युगल को जरूरी सुरक्षा देने का निर्देश दिया।

इंडिगो संकट में फंसे नवविवाहित जोड़े ने वीडियो कॉल पर मनाया शादी का रिसेप्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशनल दिक्कतों से जूझ रही इंडिगो को गुरुवार को तीन दिनों में लगभग 550 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं, जिससे देश भर में हजारों यात्री परेशान होकर एयरपोर्ट पर इंतजार करते रहे। जैसे–जैसे यात्री फ्लाइट्स के फिर से शुरू होने का इंतजार करते रहे, कई लोगों की ज़रूरी मीटिंग्स छूट गईं, मेडिकल इमरजेंसी से जूझ रहे अपने प्रियजनों तक पहुंचने की उम्मीद खत्म हो गई, और उन्हें अपनी ज़िंदगी की कुछ सबसे यादगार यादों को छोड़ना पड़ा। इन इंडिगो यात्रियों में कर्नाटक के हुबली के एक टेक कपल भी शामिल थे, जिन्हें अपने ही वेडिंग रिसेप्शन में शामिल नहीं हो पाए।

500 से ज़्यादा उड़ानें रद्द, प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार को घेरा

अगर यात्रियों का ध्यान नहीं तो मंत्रालय बंद करें

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को इंडिगो द्वारा कई हवाई अड्डों से रिकॉर्ड उड़ानें रद्द करने के बाद सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अगर नागरिक उड्डयन मंत्रालय यात्रियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है तो उसे चलाने का कोई मतलब नहीं है। एएनआई से बात करते हुए, चतुर्वेदी ने दावा किया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने यात्रियों को दरकिनार कर दिया है और एयरलाइन को नियंत्रित करने के बजाय उसकी सेवा कर रहा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने ने कहा कि मैंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मुझे उम्मीद थी कि नागरिक उड्डयन मंत्री कल ही संसद में जानकारी देंगे, लेकिन दुर्भाग्य से कल ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने देर रात बैठक की और कुछ निर्देश जारी किए, लेकिन अगर इतनी सारी उड़ानेंअभी भी रद्द हो रही हैंतो निर्देशोंका क्या मतलब है? अगर आप बढ़ते हवाई किराए और यात्रियों की शिकायतों के लिए ज़िम्मेदार नहीं हैं तो नागरिक उड्डयन मंत्रालय को बंद कर दीजिए। परिचालन संबंधी व्यवधानों के कारण दिल्ली से उड़ान भरने वाली इंडिगो की सभी उड़ानेंआधी रात तक रद्द कर दी गई हैं। परिचालन संबंधी व्यवधानों और रद्दीकरण का सामना कर रही इंडिगो ने 10 फरवरी, 2026 तक अपने ए320 बेड़े के लिए कुछ उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) प्रावधानों से अस्थायी परिचालन छूट मांगी है और आश्वासन दिया है कि उस तारीख तक परिचालन स्थिरता बहाल हो जाएगी, नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) ने एक बयान में कहा। देश भर में चल रहे एयरलाइन परिचालन व्यवधानों के बीच, 500 से अधिक इंडिगो उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गई हैं जिससे यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है। कई हवाई अड्डों पर यात्रियों ने गंभीर व्यवधान पर गहरी निराशा व्यक्त की, जिससे कई लोग स्पष्ट संचार या वैकल्पिक यात्रा विकल्पों के बिना फंसे रह गए। यात्रियों ने कहा कि कर्मचारियों की कमी और चालक दल के सदस्यों के लिए नए नियमों के कारण व्यवधानों ने यात्रियों को उचित संचार, भोजन या पानी के बिना घंटों तक हवाई अड्डों पर फंसे रहने के लिए मजबूर किया है।

अमित शाह ने स्वदेशोत्सव 2025 का किया उद्घाटन,बोले-

आत्मनिर्भर भारत के विजन को मिला नया मंच

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय मैदान में श्स्वदेशोत्सव 2025श का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी उपस्थित थे।

ई-रिक्शा पर निकले पीडीए प्रहरी

सपा नेता बोले– भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग बड़ी संख्या में पीडीए समाज के मत काट रहा है

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में चल रही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बीच शहर उत्तरी विधानसभा में सपा नेता पीडीए प्रहरी बनकर ई–रिक्शा से घर–घर जाकर मतदाताओं को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि बिहार की तरह यूपी में भी बड़ी संख्या में पीडीए समाज के मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश हो रही है। ऐसे मे सपा नेताओं ने प्रहरी बनकर मतदाता जागरूकता अभियान तेज कर दिया है।

सपा नेता संदीप यादव ने बताया कि ई–रिक्शा से मोहल्लों में पहुंचने का मकसद सीधा है। लोगों तक जल्दी पहुंचना, उन्हें जागरूक करना और एसआईआर फॉर्म भरवाकर उनके वोट सुरक्षित करवाना। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग बड़ी संख्या में पीडीए समाज के मत काट रहा है जो लोकतंत्र के लिए खतरा है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत वोट है। जब उसी को ही काटने की साजिश हो रही है तो हमारा कर्तव्य है कि जनता को सचेत करें। समय बहुत कम दिया गया है। प्रक्रिया भारी है और लोग अभी भी इसे समझ नहीं पा रहे। इसलिए हम ई–रिक्शा लेकर मोहल्लों में घूम रहे हैं, ताकि हर मतदाता तक पहुंच सकें।

नेता ने बीएलओ तैनाती और कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनके मुताबिक सरकार ने बिना पर्याप्त ट्रेनिंग दिए बीएलओ को मैदान में उतार दिया है। कई जगहों पर आरएसएस से जुड़े लोगों को बीएलओ बनने की शिकायतें भी मिल रही हैं। दारागंज में कई लोगों ने शिकायत की कि बीएलओ उनके फॉर्म जमा ही नहीं कर रहे। कुछ को खुद फॉर्म भरना नहीं आता। कई बीएलओ अपने बेटों या परिवारवालों से फॉर्म भरवा रहे हैं। काम का इतना दबाव है कि कई जगह आत्महत्या तक की घटनाएं सामने आई हैं। यह पूरी तरह व्यवस्था की नाकामी है।

पीडीए प्रहरी टीम अब तक हजारों लोगों से मिल चुकी है। नेता के अनुसार लोगों का रिएक्शन सकारात्मक है और लगातार बढ़ती जागरूकता देख टीम भी उत्साहित है। उन्होंने बताया कि ई–रिक्शा से लगातार एनाउंसमेंट किए जा रहे हैं, जिससे लोग घरों से निकलकर फॉर्म भरवा रहे हैं। पीडीए को लग रहा है कि उनका वोट वाकई खतरे में है और उसे बचाना जरूरी है। समर्थन उम्मीद से ज्यादा मिल रहा है।

एसआईआर की कम समय सीमा और बीएलओ की अव्यवस्था को लेकर सपा इसे जनता के अधिकारों पर हमला बता रही है और आने वाले दिनों में अभियान और तेज करने की तैयारी में है।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में छात्रों का धरना खत्म

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ बहाली और अन्य छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर शुक्रवार सुबह से छात्रों की महापंचायत चली। छात्र 5 घंटे से लगातार यूनिवर्सिटी के गेट पर धरने पर बैठे रहे। इसमें छात्र संगठन, विभिन्न छात्र नेता और पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी अवनीश यादव भी पहुंचे थे। छात्र महापंचायत को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात थी। आंदोलन के प्रमुख आदर्श मदोरिया ने बताया कि प्रदेश भर में छात्रसंघ चुनाव शुरू कराने की लड़ाई को गति देने के लिए यह महापंचायत एक महत्वपूर्ण कदम है। छात्रों की माँगें हैं– छात्र संघ बहाल हो, फीस वृद्धि वापस हो, परिसर में लोकतंत्र बहाल हो जैसी कई मांगे हैं। पिछले कई वर्षों से इलाहाबाद विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव नहीं हो रहे हैं। इसको लेकर छात्र संगठन लगातार नाराज हैं और अब एकजुट होकर बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। छात्रसंघ चुनाव बहाली के साथ–साथ बढ़ी हुई फीस का मुद्दा भी इस महापंचायत में प्रमुख रहेगा।

अधिवक्ता पर फायरिंग का सीसीटीवी फुटेज

प्रयागराज में हुई वारदात का लाइव सीन, बहस के बाद मारपीट और फिर फायरिंग

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में अधिवक्ता विजयकांत पांडेय पर हुई फायरिंग से जुड़े मामले में सीसीटीवी फुटेज सामने आ गया है। यह फुटेज पूरे घटनाक्रम की तस्वीर दिखा रहा है। वीडियो में बताया जा रहा है कि पहले दोनों पक्षों के बीच दुकान के सामने किसी बात को लेकर तीखी नोकझोंक हुई। देखते ही देखते यह बहस गुत्थमगुत्था में बदल गई और धक्का–मुक्की शुरू हो गई। हंगामे के बीच एक छोटी बच्ची भी दिखाई देती है, जो फायरिंग के आरोपी ओमशिव पांडेय की बेटी बताई जा रही है। मारपीट के दौरान बच्ची धक्का लगने से गिरती दिखती पड़ती है। इसके बाद पूरा विवाद दुकान के बाहर सड़क तक खिंच जाता है और आखिर में एक पक्ष की ओर से फायरिंग की जाती है।

वीडियो में गोली चलने के बाद लोगों को भागते हुए भी देखा जा सकता है। फायरिंग बुधवार शाम की है। घायल हुए अधिवक्ता विजयकांत पांडेय के बेटे युगांक पांडेय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पिता 4 दिसंबर की शाम लगभग 6द्7 बजे संतोष स्वीट हाउस, तेलियरगंज पर मिठाई लेने गए थे। दुकान से बाहर निकलते ही उनकी कार को ओमशिव पांडेय, उसके पिता रामसागर पांडेय, मां सरस्वती देवी और उनके साथ आए एक अज्ञात व्यक्ति ने जबरदस्ती रोक लिया। युगांक का आरोप है कि उनके पिता के कार से बाहर आते ही ओमशिव ने जान लेने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। कई गोलियां लगने से विजयकांत वहीं गिर पड़े। भीड़ इकट्ठा होने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। युगांक का दावा है कि उसने यह पूरी घटना अपनी आंखों से देखी। शिवकुटी थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह के अनुसार :– तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। ओमशिव पांडेय, रामसागर पांडेय, सरस्वती पांडेय और एक अज्ञात आरोपी। ओमशिव पांडेय घटना के बाद से ही हिरासत में है और उससे पूछताछ जारी है। अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। सामने आए सीसीटीवी फुटेज को साक्ष्य के तौर पर जांच में शामिल किया जा रहा है।

फौजी हत्याकांड में पांच नही, सात हत्यारे, प्रयागराज में वारदात के वक्त स्कार्पियो में सवार थे दो और लोग, तलाश शुरू

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में फौजी विवेक सिंह हत्याकांड में पुलिस जांच एक बार फिर नए मोड़ पर पहुंच गई है। अब तक यह माना जा रहा था कि वारदात में पांच लोग शामिल थे, लेकिन जांच में बड़ा खुलासा हुआ है कि कुल सात लोगों ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। इनमें से दो नए नाम गगन तिवारी और काली यादव अब पुलिस के रडार पर हैं। जांच में सामने आया है कि गगन तिवारी और काली यादव दोनों ानुहा गांव के निवासी हैं। गगन तिवारी प्लॉटिंग का काम करता है और उसका आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक वह पहले भी जेल जा चुका है। शुरुआती जांच में दोनों के नाम सामने नहीं आए थे, लेकिन मुख्य आरोपियों के बयान और कॉल डिटेल्स की बारीकी से जांच के बाद इन दोनों की भूमिका साफ हुई है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली निविदा" आमंत्रित करते हैं:–

क्रम सं.-1, कार्य का नाम: वाराणसी में प्रेक्षागृह, मनोरंजन संस्थान, स्काउट गाइड सेन्टर, कम्युनिटी हॉल, इन्थरप्रस्थ, काशी हॉलिडे होम एवं ऑफिसर्स क्लब साथ ही जिम और स्विमिंग पुल का सुधार कार्य। ई–निविदा सूचना सं: एनईआर-बीएसबी-2025-117, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 3,03,27,844/-, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 3,01,600/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 24-12-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 09 माह।

• निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-117 दिनांक 24-12-2025 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.), वाराणसी

मुजावि/वब्लू-354

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 27/2025 — दिनांक 03.12.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते है।

निविदा संख्या : 19258014A	मात्रा : 20 नग
विवरण : कास्ट स्टील बोगी कम्पलीट असेंबली।	
ई.म.डी. रू0 : 2,02,960/-	निविदा खुलने की तिथि : 30.12.2025

नोट - 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T.Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

2340/25 (C)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

अधिवक्ता पर फायरिंग में तीन और नामजद

प्रयागराज में आरोपी भतीजे के माता-पिता भी बनाए गए आरोपी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में अधिवक्ता विजयकांत पांडेय पर एक दिन पहले हुई फायरिंग के मामले में नई जानकारी सामने आई है। आरोप लगाया गया है कि इस घटना में उनके भतीजे ओमशिव पांडेय के साथ ही उसके पिता रामसागर पांडेय व मां सरस्वती देवी के साथ ही एक अज्ञात आरोपी भी शामिल था।

इन चारों के खिलाफ शिवकुटी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। ओमशिव घटना के बाद से ही पुलिस हिरासत में है और उससे फिलहाल पूछताछ चल रही है।

मामले में एफआईआर घायल विजयकांत के बेटे युगांक पांडेय ने दी है। इसमें उसने आरोप लगाया कि श्चार दिसंबर को शाम 6 से 7 बजे के बीच उनके पिता संतोष स्वीट हाउस, तेलियरगंज में मिठाई खरीदने गए थे। जैसे ही वह दुकान से बाहर निकलकर चौराहे पर पहुंचे।

पुरानी रंजिश में पहले से ही घात लगाए ओम शिव पांडेय, उनके पिता राम सागर पांडेय व सरस्वती पांडेय एक अज्ञात व्यक्ति के साथ आए और उसके पिता की कार को जबरदस्ती रोक लिया।

जब पिता ने कार से बाहर निकलकर बात करनी चाही तो इतने में ओम शिव ने जान से मारने की नीयत से रिवॉल्वर से गोली चलाना शुरु कर दिया। इससे उसके पिता को कई गोलियां लगीं और वह मौके पर गिरकर बेहोश हो गए।

तब तक राहगीर व आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और इसके बाद घायल पिता को इलाज के लिए स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल ले जाया गया। युगांक ने तहरीर में यह भी बताया कि उसने पूरी घटना को अपनी आंखों से देखा है।श

मामले में शिवकुटी पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर चार लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें से तीन नामजद और एक अज्ञात है। आरोपी ओमशिव को घटना के बाद से ही हिरासत में ले लिया गया था। उससे पूछताछ की जा रही है। आरोपी बनाए गए अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

प्रयागराज सिविल लाइंस में मारपीट, दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज

सपा विधायक के बेटे और ट्रैवल एजेंसी संचालक पर भी केस

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में बुधवार रात हुई मारपीट और विवाद के मामले में पुलिस ने गुरुवार रात दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस घटना में फायरिंग, मारपीट, गाली–गलौज और चेन लूटने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

मामले में एक पक्ष एमजी मार्ग निवासी रकी सोनकर हैं, जबकि दूसरा पक्ष पूर्व विधायक कवि अहमद का है। दोनों ने एक–दूसरे के खिलाफ अलग–अलग तहरीर देकर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रकी सोनकर ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि बुधवार रात लगभग 11 बजे पूर्व विधायक कवि अहमद अपने गार्ड प्रिंस, मुकेश, मुकुल और 20–25 अज्ञात लोगों के साथ उनकी चाय दुकान पर पहुंचे।

सोनकर के अनुसार, अवैध वसूली का विरोध करने पर सभी ने उन्हें और उनके साले सुजल को गालियां दीं और लाठी–डंडों व लोहे की सरिया से हमला किया। इसी दौरान कवि अहमद ने उनकी सोने की चेन भी छीन ली।

शोर सुनकर मौके पर पहुंचे रकी के भाई मोनू और मित्र अक्की को भी बचाने के प्रयास में चोटें आईं। सोनकर ने यह भी दावा किया है कि मौके पर फायरिंग की गई, जिससे भगदड़ मच गई और क्षेत्र में शांति भंग हुई। दूसरी ओर, अधिवक्ता कवि अहमद ने भी थाने में तहरीर दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि

बुधवार रात करीब 10 बजे रकी सोनकर और उसके भाई–परिवार के लगभग 30 लोग उनके चौंबर में घुस आए और मारपीट की।

कवि अहमद के मुताबिक, बसों की पार्किंग और ट्रैवल्स संचालन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें लाठी–डंडों से पीटा, तमंचा लहराते हुए फायरिंग की और उनके गले की प्लैटिनम चेन छीन ली। अहमद ने यह भी आरोप लगाया है कि हमलावर उन्हें धर्म के नाम पर गालियां दे रहे थे और फर्जी एससी–एसटी केस में फंसाने की धमकी दे रहे थे।

सेना की जमीन पर अवैध कब्जा, प्रयागराज में 10 मीटर जमीन पर अवैध निर्माण, प्रशासनिक अफसर ने दर्ज कराई एफआईआर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में सेना की जमीन

पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। आरोप है कि सेना की 10 मीटर जमीन पर अवैध निर्माण कर लिया गया। सेना की ओर से आई शिकायत के आधार पर धूमनगंज पुलिस ने इस मामले में आरोपी जुगल किशोर गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेना के प्रशासनिक अधिकारी सुभम कुमार सिंह की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि सर्वे नंबर 311 के पास जुगल किशोर गुप्ता ने सेना की संपत्ति से 10 मीटर के भीतर अवैध निर्माण करवाया। शिकायत में यह भी उल्लेख था कि नियमों के अनुसार इस दायरे में किसी भी तरह का निर्माण करने से पहले स्टेशन कमांडर से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना जरूरी है लेकिन न तो सेना को सूचना दी गई और न ही एनओसी के लिए कोई प्रयास किया गया।

सेना ने 21 नवंबर 2025 को गश्त के दौरान इस निर्माण को देखा था जिसके बाद जांच में पुष्टि हुई कि निर्माण पूरी तरह नियम विरुद्ध है। केंद्र सरकार के आदेश में भी इस तरह के निर्माण पर स्पष्ट पाबंदी लगाई गई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अब अवैध निर्माण को हटवाने की कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस इस मामले में संबंधित दस्तावेजों और सेना की रिपोर्ट के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। साथ ही जुगल किशोर गुप्ता से पूछताछ की तैयारी भी की जा रही है।

प्रयागराज में जीजा ने साली की मांग भरी, सगाई में गोदभराई रस्म के दौरान घटना, वर पक्ष ने रिश्ता तोड़ा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एक सगाई समारोह के दौरान जीजा ने अपनी साली की मांग में सिंदूर भर दिया, जिससे हड़कंप मच गया। इस घटना के बाद वर पक्ष ने रिश्ता तोड़ दिया। लड़की के पिता की शिकायत पर सराय ममरेज थाने में आरोपी दामाद के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी दामाद को गुरुवार को जेल भेज दिया है। पीड़ित पक्ष द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, यह घटना मंगलवार शाम को हुई। पीड़ित की छोटी बेटी की सगाई के दौरान गोदभराई की रस्म चल रही थी। इसी समय उनकी बड़ी बेटी के पति संदीप गुप्ता, जो जंघई बाजार के निवासी हैं, पंडाल में आ गए। उन्होंने रिश्तेदारों और वर पक्ष के सामने लड़की की मांग में सिंदूर भर दिया। इस अप्रत्याशित घटना से परिवार, रिश्तेदार और वर पक्ष के लोग स्तब्ध रह गए। वर पक्ष ने नाराजगी व्यक्त करते हुए शादी की सभी रस्में रोक दीं और विवाह से इनकार कर दिया। पीड़ित ने बताया कि दामाद की इस हरकत को गांव और समाज के कई लोगों ने देखा, जिससे उन्हें सामाजिक अपमान का सामना करना पड़ा। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी संदीप गुप्ता ने कार्यक्रम के दौरान निशा के कमरे में घुसने का भी प्रयास किया। जब उसे रोका गया, तो उसने गाली–गलौज की और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। बताया जा रहा है कि संदीप गुप्ता सत्ताधारी दल से जुड़ा एक स्थानीय नेता है। आरोप है कि वह पहले भी अपनी बड़ी बेटी (पीड़ित की बड़ी बेटी) को धमकाता रहा है। थाना प्रभारी के मुताबिक, पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपी के खिलाफ उचित विधिक कार्यवाही की जाएगी।

खड़े ट्रक में घुसा कंटेनर, ड्राइवर की मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में अयोध्या–प्रयागराज हाईवे पर गुरुवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। पहले से दुर्घटनाग्रस्त होकर खड़े ट्रक में पीछे से कंटेनर घुस गया। टक्कर में कंटेनर के ड्राइवर विकास पांडे गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। हादसा

मऊआइमा थाना क्षेत्र के सकरा मऊ अमानगंज गांव के पास देर रात करीब तीन बजे हुआ। दो दिन पहले एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया था और भारी माल लदा होने के कारण हाईवे पर ही खड़ा था। गुरुवार देर रात तेज रफ्तार कंटेनर इसी खड़े ट्रक में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर विकास पांडे उसमें फंस गए। स्थानीय लोगों की मदद से विकास पांडे को बाहर निकाला गया। उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। कंटेनर का केबिन बुरी तरह चपटा होने के कारण बचाव कार्य में देरी हुई। थाना प्रभारी पंकज अवस्थी ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि दुर्घटना का शिकार दोनों वाहन एक ही ट्रांसपोर्टर के हैं। मृतक विकास पांडेय बस्ती जिले के रहने वाले थे। शव को मर्चुरी भेजकर पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दो दिन पहले हुए हादसे के बाद भी भारी माल लदा ट्रक हाईवे पर ही खड़ा रहा। रात में तेज रफ्तार और सड़क पर खड़े भारी वाहनों की वजह से इस तरह की दुर्घटनाएं बार–बार हो रही हैं।

वकील पर फायरिंग के विरोध में जाम लगाया

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में अधिवक्ता विजयकांत पांडेय पर जानलेवा हमले के विरोध में शुक्रवार को वकीलों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने डीएम कार्यालय के सामने सड़क जाम कर हमलावर का लाइसेंस रद्द करने और कोर्ट परिसर में उसके प्रवेश पर स्थायी रोक लगाने की मांग की। यह घटना गुरुवार देर शाम की है। अधिवक्ता विजयकांत पांडेय बाबा चौराहा स्थित एक दुकान पर मिठाई लेने रुके थे। इसी दौरान उनका भतीजा ओम शिव पांडेय वहां पहुंचा। दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद ओम शिव ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग कर दी। हमलावर ने एक के बाद एक पांच गोलियां चलाई, जिनमें से तीन विजयकांत को लगीं। वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई और आसपास की दुकानों के शटर तुरंत बंद हो गए। सूचना मिलते ही शिवकुटी पुलिस मौके पर पहुंची। घायल विजयकांत को तत्काल स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित द्वारा हमलावर का नाम बताए जाने के बाद पुलिस ने ओम शिव पांडेय को कुछ ही देर में गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार सुबह अधिवक्ताओं ने डीएम कार्यालय गेट के सामने रास्ता जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि साथी वकील पर हमला बेहद गंभीर मामला है और जब तक कड़ी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक विरोध जारी रहेगा। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह हमला सिर्फ एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि अधिवक्ता समाज की सुरक्षा पर हमला है। प्रशासन और बार काउंसिल को जल्द से जल्द निर्णायक कदम उठाने होंगे।

प्रयागराज राष्ट्रीय शिल्प मेला : कर्मा नृत्य किए पेश, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज रहे मौजूद

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय शिल्प मेले के चौथे दिन गुरुवार शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजी रही। मुक्ताकाशी मंच पर लोक संगीत, भक्ति और पारंपरिक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं, जिन्होंने दर्शकों को देर तक बांधे रखा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमसेरी ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्ज्वलित कर संध्या का शुभारंभ किया। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने स्वागत उद्बोधन दिया। सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत भजन गायक आशुतोष श्रीवास्तव के भक्ति गीतों से हुई। उन्होंने श्सियाराम मैं जग जानीश, श्सांसों का है आना–जानाश और श्मां तू कृष्णा कान्हाश जैसे भजन प्रस्तुत किए, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया।

संक्षिप्त

ईको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार का बड़ा कदम, लखनऊ चिड़ियाघर को संवारने में खर्च करेगी 1.91 करोड़

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान में ईको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा 1.91 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसके तहत चिड़ियाघर परिसर में कई विकासात्मक काम तेजी से किए जा रहे हैं। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि परियोजना का उद्देश्य प्राणी विज्ञान को अधिक आकर्षक, पर्यावरण–संगत और बच्चों के लिए अनुकूल बनाना है। उन्होंने कहा कि हाल ही में बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक झूले (किड्स प्ले इक्विपमेंट) लगाए गए हैं, जिससे यहां आने वाले परिवारों और स्कूली बच्चों के लिए अनुभव और अधिक मनोरंजक एवं रोचक हो गया है। ये झूले सुरक्षित, मॉडर्न डिजाइन और अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर स्थापित किए गए हैं। श्री सिंह के मुताबिक इस पूरे विकास कार्य का मकसद लखनऊ चिड़ियाघर को ईको–टूरिज्म और परिवारिक मनोरंजन का प्रमुख केंद्र बनाना है। इन सुविधाओं के पूरा होने के बाद चिड़ियाघर का स्वरूप और आकर्षक होगा, जिससे शहर के साथ–साथ प्रदेश के अन्य जिलों से आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान लखनऊ शहर की पहचान है और इसे हम आधुनिक ईको–टूरिज्म मॉडल के रूप में विकसित कर रहे हैं। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि यहां आने वाले बच्चों, परिवारों और पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित और प्रकृति के करीब रहने वाला वातावरण मिले। मंत्री ने कहा कि 1.91 करोड़ रुपये की स्वीकृत परियोजना के माध्यम से आकर्षक झूले, बांस से बने फर्नीचर सेट, नए साइनेज और वाटर कूलर जैसी सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि लखनऊ चिड़ियाघर को एक ऐसा हरित, पर्यावरण–संगत और विश्वस्तरीय गंतव्य बनाया जाए, जहाँ मनोरंजन के साथ–साथ प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण का संदेश भी मजबूती से पहुँच सके।

अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी नजरबंद

संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ श्री कृष्ण जन्मभूमि में देहरी पूजन व शौर्य दिवस कार्यक्रम अवश्य होगा–ऋषि त्रिवेदी

लखनऊ, संवाददाता। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के तत्वावधान में कल छह दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि में देहरी पूजन एवं शौर्य दिवस में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले आज राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी सहित संगठन के कई पदाधिकारियों को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया। प्रदेश सरकार के निर्देश पर पुलिस प्रशासन के इस कदम की निन्दा करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि संगठन कार्यकर्ता कल श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर पहुंच कर देहरी पूजन कर शौर्य दिवस जरूर मनायेंगे। मालूम हो कि अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने कल छह दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि में देहरी पूजन एवं शौर्य दिवस कार्यक्रम के आयोजन की घोषणा की थी और जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को कार्यकर्ताओं के साथ छह फरवरी को मथुरा के लिए कूच करना था। इससे पहले आज सुबह पुलिस प्रशासन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के कुर्सी रोड स्वाथित आवास पर पहुंच कर घेराबंदी कर राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को नजरबंद कर दिया। बताया जा रहा है कि संगठन के कई पदाधिकारियों को प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया है ताकि श्रीकृष्ण जन्मभूमि में आयोजित होने वाले देहरी पूजन के साथ शौर्य दिवस कार्यक्रम को विफल किया जा सके। उधर नजरबंद किए गए राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के हवाले से संगठन ने बयान जारी कर कहा कि शान्ति पूर्ण ढंग से होने वाला कार्यक्रम हर हाल में होकर रहेगा और इसके लिए संगठन के कार्यकर्ताओं का मथुरा पहुंचना शुरू हो गया है। देहरी पूजन एवं शौर्य दिवस को सामाजिक एकता, राष्ट्रभक्ति और वैदिक परंपराओं की शक्ति का प्रतीक बनाते हुए ऐतिहासिक स्वरूप में सम्पन्न किया जाएगा।

छठी के छात्र की हार्ट अटैक से मौत

टीचर बोले–इंग्लिश का पेपर दिया, पानी पिया, फिर बेहोश होकर गिर पड़ा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में छठी क्लास के एक छात्र की शुक्रवार सुबह हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह महानगर स्थित मोंट फोर्ट इंटर कॉलेज का छात्र था। टीचर ने बताया छात्र ने ढाई घंटे तक इंग्लिश का पेपर दिया। उसके बाद पानी पीने के लिए उठा। पानी पीने के बाद बेहोश होकर गिर गया। स्कूल में उसे प्राथमिक उपचार दिया गया, हालत में सुधार नहीं होने पर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की पहचान छात्र अमेय सिंह उर्फ आरव के रूप में हुई। वह महानगर स्थित मोंट फोर्ट इंटर कॉलेज का छात्र था। कॉलेज के टीचर उसे भाऊराव देवरस सिविल अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने काफी देर तक उसे सीपीआर दिया। लेकिन आरव की बॉडी में कोई हरकत नहीं हुई। इसके बाद डॉक्टरों ने उसे ब्रॉट डेड डिक्लेयर कर दिया। बीआरडी अस्पताल महानगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजीत दीक्षित ने बताया 11 बजकर 5 मिनट पर अचेत अवस्था में आरव नाम के बच्चे को लाया गया था। इमरजेंसी के डॉक्टरों ने काफी प्रयास किया पर सफलता नहीं मिली। बाद में उसे ब्रॉट डेड डिक्लेयर कर दिया गया। मौके पर बच्चों के पिता जानकीपुरम निवासी संदीप सिंह भी पहुंचे थे। अचानक हुई इस घटना से सभी बेहद आहत हैं। मौत का असल कारण डेथ ऑडिट के बाद ही पता चल पाएगा। पिता संदीप सिंह ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अस्पताल में जब मां पहुंची तब वो बच्चे की कंडीशन देखकर बेहाल हो गई। वो भी गश खाकर गिर पड़ीं। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे किसी तरह संभाला। स्कूल के एनसीसी इंचार्ज राजन सिंह परिहार ने बताया– सुबह 8 बजे से इंग्लिश पेपर था। ढाई घंटे उसने पेपर दिया और फिर पानी पिया। पेपर खत्म करने के बाद कॉपी जमा की। इसके बाद जैसे ही अपनी डेस्क की ओर बढ़ा। बेहोश होकर गिर गया। अमेय को स्कूल में ही प्राथमिक उपचार और सीपीआर दिया गया, लेकिन जब होश नहीं आया तो उसे नजदीकी अस्पताल ले गए। भाऊ राव देवरस अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.रणजीत दीक्षित ने बताया स्कूल के लोग 11 बजकर 5 मिनट पर बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंचे थे। 11 बजकर 29 मिनट पर उसे ब्रॉट डेड डिक्लेयर किया।

प्रयागराज मंडल रेल प्रशासन द्वारा अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के विरुद्ध निरंतर अभियान

जनवरी 2025 से नवंबर 2025 तक 4778 लोग गिरफ्तार
नवंबर 2025 में 391 लोग गिरफ्तार

प्रयागराज। समंडल में ट्रेनों के सुचारू संचालन एवं यात्री सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग (ACP) की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अनावश्यक चेन पुलिंग न केवल गाड़ियों की समयबद्धता को प्रभावित करती है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को भी गंभीर रूप से खतरे में डालती है। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 में 01 जनवरी, 2025 से 30 नवंबर, 2025 तक कुल 4778 लोगों को अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग के आरोप में गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई ।

जनवरी 2025 : 245 लोग गिरफ्तार

फरवरी 2025 : 125 लोग गिरफ्तार

मार्च 2025 : 246 लोग गिरफ्तार

अप्रैल 2025 : 413 लोग गिरफ्तार

मई 2025 : 599 लोग गिरफ्तार

जून 2025 : 617 लोग गिरफ्तार

जुलाई 2025 : 579 लोग गिरफ्तार

अगस्त 2025 : 564 लोग गिरफ्तार

अक्तूबर 2025 : 486 लोग गिरफ्तार

सितम्बर 2025 : 513 लोग गिरफ्तार

नवंबर 2025 : 391 लोग गिरफ्तार

स्टेशन–वार गिरफ्तारियाँ (01 जनवरी – 30 नवंबर, 2025):

कानपुर सेंट्रल : 703
टूंडला : 479
फतेहपुर : 357
अलीगढ़ : 355
इटावा : 327
प्रयागराज जंक्शन : 322
नैनी : 304
मिर्जापुर : 254
मानिकपुर : 235
फफूंद : 207
सूबेदारगंज : 174
शिकोहाबाद : 173
प्रयागराज छिवकी : 147
जीएमसी : 124
फिरोजाबाद : 117
खुर्जा : 116
हाथरस : 112

चुनार : 109
दादरी : 99
पनकी धाम : 43
कानपुर अनवरगंज : 21

रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि यात्रा के दौरान अनावश्यक चेन पुलिंग से बचें। यह एक दंडनीय अपराध है, जिसमें जुर्माना एवं कारावास दोनों का प्रावधान है। इसके दुरुपयोग से यात्रियों को असुविधा होती है तथा ट्रेनों की समयबद्धता और सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। रेल प्रशासन अनावश्यक चेन पुलिंग करने वालों के विरुद्ध निरंतर अभियान चला रहा है और पकड़े जाने पर सख्त कार्यवाही की जा रही है।

प्रयागराज मंडल यात्रियों के सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध यात्रा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा इसके लिए यात्रियों के सहयोग की अपेक्षा भी करता है।

खानम आर्ट गैलरी में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता और अरबी कैलिग्राफी कार्यशाला का आयोजन संपन्न

मुख्य अतिथि रवीन्द्र कुशवाहा ने कलाकार बच्चों को किया प्रोत्साहित

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी में चल रही निःशुल्क कार्यशाला में आज जिला स्तरीय प्रतियोगिता और अरबी कैलिग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न माध्यमों से अपनी कलाकृति बनाई और अपनी कल्पना को एक खूबसूरत उड़ान दी। कल, पारंपरिक कला पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें बच्चों ने वॉटर कलर स्केचिंग और नेचर स्केचिंग में अपनी प्रतिभा दिखाई।

आज के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध चित्रकार रवींद्र कुशवाहा , जो राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य हैं, ने बच्चों की कलाकृतियों की प्रशंसा की और उन्हें प्रोत्साहित किया। कैलीग्राफी आर्टिस्ट मुसाब आदिल ने सुंदर कैलीग्राफी का लाइव डेमोंस्ट्रेशन दिया।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. जाहेदा खानम, नेशनल आर्टिस्ट, प्रयागराज और डायरेक्टर, खानम आर्ट गैलरी ने किया। बच्चों को प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार वार्षिक समारोह में प्रदान किया जाएगा।

6 दिसंबर को खानम आर्ट गैलरी का 5वां वार्षिक समारोह का बड़ा कार्यक्रम क्रिएटिव वुमन्स अवार्ड शो है, रीता बहुगुणा जोशी, पूर्व मंत्री और सांसद, मुख्य अतिथि के रूप में होंगी सम्मानित इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आई क्रिएटिव महिलाओं को रीता बहुगुणा जोशी सम्मानित करेंगीं।

बैंक ऑफ इंडिया के नवनिर्माण भवन मुजफ्फरनगर का शुभारंभ शाखा के जनरल मैनेजर अमरेंद्र कुमार व जोनल मैनेजर कुमार प्रशांत के द्वारा किया गया

मुजफ्फरनगर। बैंक ऑफ इंडिया की शाखा टाउन हॉल बालाजी चौक से प्रकाश चौक से महावीर चौक के बीच स्थित डॉ एमके बंसल के बराबर में शिफ्ट हो गई जिसके नवनिर्मित भवन के कार्यक्रम में शाखा के जनरल मैनेजर अमरेंद्र कुमार जोनल मैनेजर प्रशांत कुमार ने जनपद मुजफ्फरनगर में पहुंचकर नये भवन का फीता काट कर एवं दीप प्रज्वलित करके मुजफ्फरनगर बैंक ऑफ इंडिया शाखा जनपद मुजफ्फरनगर शुभारंभ किया

इस अवसर पर प्रबंधक हितेश यादव, क्रेडिट मैनेजर मुकेश कुमार एडमिन मैनेजर निशांत, सिंह,अधिकारी नेहा चौहान, स्पेशल असिस्टेंट विकास कुमार,लिपिक ललित कुमार,लिपिक साक्षी राठी, एवं एस के वी के इंचार्ज अभिषेक बालियान, अधिकारी प्रियांशु, अधिकारी भव्य जैन, एवं शाखा देवतुल्य प्रिय ग्राहक ग्राहक उपस्थित रहे इस अति सुंदर कार्यक्रम को जनरल मैनेजर अमरेंद्र सिंह ने अपनी मधुर वाणी से संबोधित करते हुए अपने प्रिय ग्राहक को बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं को अवगत कराया साथी जोनल मैनेजर कुमार प्रशांत ने भी अपने सभी बैंक आफ इंडिया के स्टाफ भी प्रिय ग्राहक को नहीं भवन का शुभारंभ करने के साथ–साथ ही आपसी समन्वय की अपील की एवं बैंक के व्यवसाय को बढ़ाने के लिए बैंक आफ इंडिया के स्टाफ को शाखा को सहयोग करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतिबंधित कफ सिरप मामले में आरोपियों पर जल्द हो कठोर कार्रवाई– रागिनी सोनकर

लखनऊ, संवाददाता। कफ सिरप मामले पर जांच एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं।इस बीच सपा विधायक रागिनी सोनकर ने सरकार से आरोपियों पर जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। मीडिया से मुखातिब रागिनी सोनकर ने कहा, यह बहुत गंभीर मामला है और मेरा मानना है कि यह सामूहिक हत्या है।देश के हर कोने से बच्चों की मौत हुई है और बुजुर्ग लोगों ने भी अपनी जान गंवाई है।सरकार को सीधे या परोक्ष रूप से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। घटना में जितने लोग भी जुड़े हैं, चाहे वे प्रत्यक्ष रूप से हों या अप्रत्यक्ष रूप से हों, सरकार किसी को छोड़े नहीं। जो लोग सीधे तौर पर जुड़े हैं, वे अभी पुलिस पकड़ से बाहर हैं। रागिनी सोनकर ने कहा, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कुछ दिन पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और मीडिया के माध्यम से इस मुद्दे को उठाया था। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी यही मामला उठाया।उम्मीद है कि आने वाले विधानसभा सत्र में विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा करेगा।

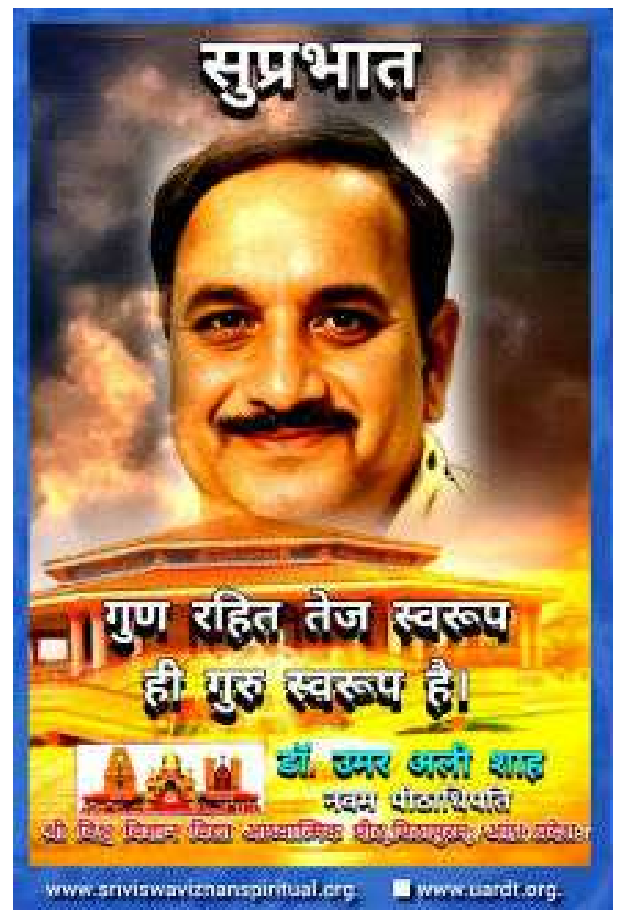

गुल अब्बास

मार्वल ऑफ पेरु कहें, या 'गुलाबासश फूल।
खिलते हैं जो शाम को, शशधर के अनुकूल।
शशधर के अनुकूल, फूल गर्मी में खिलते।
पीले सफेद लाल, रंग में हैं यह मिलते।
सुन लो कहें प्रदीप, शाम जब होती श्यामल।
भरते मधुर सुगन्ध,जिसे कहते हैं मार्वल।।

सुन्दर रंगों से रँगा, है जिसका इतिहास।
ऑर्नामेंटल पुष्प है, कहते 'गुल अब्बासश।
कहते 'गुल अब्बासश, रातभर खूब महकते।
'कृष्ण कलीश के साथ, 'चन्द्रमल्लीश भी कहते।
सुन लो कहें प्रदीप, बात सारी है प्रांजल।
चरबजवा है फूल, पंखुरी जिसकी सुन्दर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अंतर्विद्यालयीय निबंध प्रतियोगिता में मानसी रहीं विजेता

करछना। विगत दिनों रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में जमुनापार महोत्सव के दौरान आयोजित अंतर्विद्यालयीय निबन्ध प्रतियोगिता में श्री कृष्ण इण्टर कॉलेज अमिलो की मानसी पाल प्रथम स्थान पर रहीं। दूसरा स्थान सर्वोदय शिक्षा सदन इण्टर कॉलेज भीरपुर की छात्रा शिवानी और बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर की छात्रा सानिया को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।श्हिन्दी राष्ट्रभाषा का सपना,कैसे हो साकारष नामक विषय पर आधारित निबंध प्रतियोगिता में यमुनापार के कई इंटर कॉलेज की छात्र और छात्राओं ने प्रतिभा किया।निरीक्षण मण्डल में प्रवक्ता मोहम्मद परवेज सिद्दीकी,जगतपाल एवं डॉ.के के त्रिपाठी मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं महोत्सव स्वागत समिति के अध्यक्ष मनीष कुमार तिवारी ने सभी प्रतिभागियों और स्थान प्राप्त सभी बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि प्रतिवर्ष महोत्सव में इस तरह बाल प्रतिभा विकास को लेकर निबंध,भाषण,क्विज,वाद विवाद,लोक गायन,लोक नृत्य और तरह–तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती रहेगी और सभी प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाता रहेगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने ई–संजीवनी टेलीमेडिसिन सेंटर का किया निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर स्थित ई–संजीवनी टेलीमेडिसिन सेंटर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं, मरीजों को दी जा रही टेली परामर्श सेवाओं एवं तकनीकी व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के समय मौजूद चिकित्सकों को डॉ. सुनील तेवतिया ने निर्देशित करते हुए कहा कि ई–संजीवनी के माध्यम से अधिक से अधिक मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से ऑनलाइन परामर्श का लाभ दिलाया जाए, ताकि दूर–दराज के क्षेत्रों के मरीजों को भी समय पर उचित उपचार मिल सके। उन्होंने परामर्श की गुणवत्ता, मरीजों के पंजीकरण की प्रक्रिया तथा डाटा एंट्री में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि ई–संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से आम जनता को घर बैठे विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं तथा आवश्यक सुधार हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

यूपी में कितने प्रतिशत एसआईआर हुआ है, आंकड़े जारी करे आयोगः अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में चल रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग व राज्य प्रशासन से मांग की है कि प्रदेश में अब तक जितना भी एसआईआर हुआ है, उसके आंकड़े आज प्रकाशित किया जाए। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, उप्र में कितने प्रतिशत एसआईआर हुआ है, इसका आँकड़ा आज प्रकाशित किया जाए। उन्होंने कहा कि बीएलओ पर जानलेवा दबाव हटाकर अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप इस काम पर लगाया जाए। साथ ही सुनिश्चित किया जाए कि सत्ताधारियों के दल और उनके संगी–साथी पिछले दरवाजे से इस काम में अब नहीं हैं और न आगे कभी होंगे। अखिलेश यादव ने मांग की कि इस बात की पक्की जाँच–पड़ताल हो कि हर विधानसभा में पीडीए समाज के कितने लोगों को वोटर लिस्ट से हटाने की साजिश की जा रही है, हर हाल में इसे होने से रोका जाए।

सम्पादकीय.......

'साथी' पर अविश्वास

हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आगामी वर्ष मार्च से हर नये स्मार्टफोन में 'संचार साथी' ऐप पहले इंस्टॉल करना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर पुराने स्मार्ट फोनों में इसे सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा भेजा जाएगा। जिसको लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी और शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बनाया। विपक्ष का कहना था कि इससे निजता का उल्लंघन होगा और व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री–इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। दरअसल, सरकार का कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। लेकिन विपक्ष का आरोप था कि साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप से नई तरह की असुरक्षा पैदा हो सकती है। बताया जाता है कि सरकार ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप इस तरह इंस्टाल करने को कहा था ताकि उसे डिलीट या अक्षम न किया जा सके। केंद्र की दलील थी कि यह ऐप उपभोक्ता को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रिपोर्ट लिखवाने में मदद करता। साथ ही चोरी किए गए मोबाइल की बरामदगी आसान हो पाती। लेकिन निजी डेटा सुरक्षा व इसकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए, जिसके चलते इसका विरोध हुआ। वैसे सर्च इंजन में पहले से मौजूद इस ऐप को देश के लाखों लोग पहले ही स्वेच्छा से डाउनलोड कर चुके हैं। लेकिन इसको अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के आदेश के बाद विरोध के स्वर उभरने लगे। जिसके बाद विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके जरिये व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करके उसके जीवन में ताक–झांक की जा सकती है। हालांकि, विरोध के सुर मुखर होने के बाद सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आया कि यह निर्णय वैकल्पिक है और कोई व्यक्ति इस ऐप को इच्छानुसार डिलीट कर सकता है। निस्संदेह, निजता हमारा मौलिक अधिकार है। ऐसे में किसी ऐप की अनिवार्यता से व्यक्ति की गोपनीयता में खलल पड़ने की आशंका जतायी जाने लगी। पिछले दिनों सरकार ने व्हाट्स ऐप व टेलीग्राम आदि कम्युनिकेशन ऐप्स संचालक कंपनियों से कहा था कि वे अपनी सेवा को मोबाइल के सिम कार्ड से जोड़कर रखें। ताकि सिम के बिना इन ऐप का दुरुपयोग न हो सके। जिसको लेकर टेलि–कम्युनिकेशन कंपनियों ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया था। निस्संदेह, निजता का अधिकार देश में मौलिक अधिकार के रूप में मौजूद है। शीर्ष अदालत ने भी अपने एक निर्णय के जरिये स्पष्ट किया था कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 में 'राइट टू प्राइवेसी' में भी निहित है। जिसके अंतर्गत मोबाइल, इंटरनेट व डिजिटल जानकारियां भी शामिल हैं। ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों से इतर व्यक्ति को अपनी डिजिटल संप्रभुता की सुरक्षा का हक है। यही वजह है कि विगत में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि मोबाइल व निजी कंपनियां उपभोक्ता से आधार कार्ड नहीं मांग सकती। इस फैसले को तब निजता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था। यही वजह है कि 'संचार साथी' की अनिवार्यता के बाद निजता व व्यक्ति के डेटा में सरकारी दखल को लेकर सवाल उठने लगे। निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इसके लिये आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे तकनीक के जरिये साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की मुहिम को गति दी जा सके।'

नेहरू और बाबरी मस्जिद: भाजपा का झूठ

डॉ. दीपक पाचपोर

सोशल मीडिया आने के बाद इस दुष्प्रचार में और तेजी आई, फिर भी नेहरू के नाम पर कोई दाग भाजपा नहीं लगा पाई। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया भर में घूमते रहते हैं, अपने नाम की माला जपवाते हैं, लेकिन लोगों के दिलों में बसे जवाहरलाल नेहरू को नहीं मिटा पाते।

देश के पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू का खौफ समूची भाजपा पर इस कदर तारी है कि उसे नित नए झूठ अपने बचाव में गढ़ने पड़ते हैं। नेहरू की जीवनशैली, उनकी महिला मित्र, खान–पान की आदतों को लेकर संघ ने खूब झूठ फैलाया, फिर भाजपा ने इस काम को आगे बढ़ाया। सोशल मीडिया आने के बाद इस दुष्प्रचार में और तेजी आई, फिर भी नेहरू के नाम पर कोई दाग भाजपा नहीं लगा पाई। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया भर में घूमते रहते हैं, अपने नाम की माला जपवाते हैं, लेकिन लोगों के दिलों में बसे जवाहरलाल नेहरू को नहीं मिटा पाते। पुरानी पीढ़ी के नेताओं की बात छोड़ दें, नयी पीढ़ी के वैश्विक नेता भी नेहरू–गांधी को ही याद करते हैं। कोई सावरकर, गोलवलकर से प्रेरित होने की बात नहीं कहता। यही पीड़ा संघ को सालती है कि उनके प्रातरूस्मरणीय पुरुषों के नामलेवा दुनिया में क्यों नहीं हैं।यह डर और पीड़ा तो लाइलाज है, लिहाजा बेसिरपैर की बातों से भाजपा अपना मन बहलाने में लगी है। ऐसी ही एक बेतुकी बात का उदाहरण पेश किया केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने। मंगलवार को गुजरात के वडोदरा में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित यूनिटी मार्च के दौरान राजनाथ सिंह ने दावा किया कि, श्पंडित जवाहरलाल नेहरू अयोध्या में बाबरी मस्जिद बनाने के लिए सार्वजनिक धन का इस्तेमाल करना चाहते थे। यदि किसी ने इस प्रस्ताव का विरोध किया, तो वह सरदार वल्लभभाई पटेल थे।श राजनाथ सिंह ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का उदाहरण देते हुए बताया कि पटेल ने इसे सार्वजनिक दान से ही कराया, जिसमें 30 लाख रुपये जुटाए गए, लेकिन कोई सरकारी धन नहीं लगा। इसके बाद नेहरू–पटेल की परंपरा में जबरन नरेन्द्र मोदी को जोड़ने की कोशिश में राजनाथ सिंह ने कहा कि सोमनाथ की तरह, अयोध्या में मौजूदा राम मंदिर का निर्माण भी पूरी तरह जनता के योगदान से हो रहा है। सिंह ने नेहरू पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक ताकतें पटेल की विरासत को मिटाने की कोशिश करती हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे पुनर्स्थापित किया।राजनाथ सिंह का यह भाषण न केवल घोर निंदा के योग्य है, बल्कि सिरे से झूठा होने के कारण गहन चिंताजनक भी है। जब देश के शीर्ष पदों पर बैठे लोग झूठे बयान देने लगें तो सत्यमेव जयते के ध्येय वाक्य की रक्षा कैसे होगी। ऐतिहासिक दस्तावेज के मुताबिक बाबरी मस्जिद का निर्माण 1528 में मुगल सम्राट बाबर के सेनापति मीर बाकी ने कराया था। यह मस्जिद पहले से मौजूद थी और 1947 से 1964 तक नेहरू के कार्यकाल में इसके श्नए निर्माणश का कोई प्रस्ताव या प्रमाण नहीं मिलता। सब जानते हैं कि पं. नेहरू सरकारी धन के दुरुपयोग के सख्त खिलाफ थे। वे खुद अपना खर्च भी बड़ी किफायत से चलाते थे और ऐसे कई प्रसंग हैं, जिनसे पता चलता है कि उनका स्टाफ अक्सर उनसे उनके पैसे ही बचा कर रखता था, क्योंकि वे जरूरतमंदों को दे देते थे और खुद उनके पास फिर पैसे नहीं बचते थे। नेहरू हर तरह की धर्मांधता और सांप्रदायिकता के विरोधी थे। वे धार्मिक आस्था का सार्वजनिक प्रदर्शन करने के भी खिलाफ थे। बल्कि उनके हिसाब से औद्योगिक कारखाने ही आधुनिक भारत के तीर्थ हैं। अगर नेहरू के बाद की तमाम सरकारें इसी सिद्धांत पर चलती तो आज भारत विकास में चीन, जापान, अमेरिका, जर्मनी जैसे देशों को टक्कर देता। लेकिन धर्म के नाम पर राजनैतिक समझौता करने की नीति ने देश को पीछे ही रखा। नेहरू जैसी दृढ़ राजनैतिक इच्छाशक्ति उनके बाद के प्रधानमंत्री नहीं दिखा पाए।नेहरू सरकार को धार्मिक कार्यों में संलग्न होने या जनता के धन को धार्मिक स्थलों में इस्तेमाल करने के सख्त खिलाफ थे। इसलिए 1951 में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के दौरान नेहरू ने सरकारी फंडिंग का विरोध किया था, जिसे पटेल ने सार्वजनिक ट्रस्ट के माध्यम से पूरा कराया था। सरदार पटेल भी नेहरू जैसे ही सिद्धांतवादी थे। उन्होंने कहा था कि जब तक वह जिंदा हैं सोमनाथ मंदिर के लिए सरकारी खजाने से एक पैसा नहीं देंगे। तो भारत के संविधान और नेहरू–पटेल की नीतियों में कोई भेद नहीं था। जबकि आज की सरकार इसके बिल्कुल उलट काम कर रही है। राजनाथ सिंह सोमनाथ मंदिर और राम मंदिर की तुलना कर रहे हैं। और बड़ी आसानी से इस बात की अनदेखी कर रहे हैं कि बाबरी मस्जिद तोड़कर राम मंदिर बनाया गया है। मंदिर निर्माण में जनता के दान का दावा भी कितना सच है, इसका प्रमाण भाजपा को हिसाब के साथ देना चाहिए। मंदिर के शिलान्यास से लेकर उद्घाटन तक और अभी धर्म ध्वजा फहराने तक मोदी जो बार–बार अयोध्या गए हैं, वो खर्च भी जनता के टैक्स के पैसे पर ही उठाया गया है।बहरहाल, राजनाथ सिंह के दावे पर विरोध शुरु हो चुका है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, मुझे बस इस बात से दुख है कि राजनाथ सिंह ऐसा कह रहे हैं, हो सकता है कि वह अपनी पार्टी से प्रभावित हो गए हों, या उन्हें ऐसी बातें कहने के लिए मजबूर किया जा रहा हो। नेहरू ने उन्हें (सरदार वल्लभभाई पटेल) उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बनाया था... राजनाथ जी, यह बयान आपके इतिहास या आपके व्यक्तित्व के साथ मेल नहीं खाता...। इस बयान से ऐसा लग रहा है मानो प्रमोद तिवारी राजनाथ सिंह को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। राजनाथ सिंह संघ की सांप्रदायिक राजनीति से प्रभावित हैं इसलिए ही भाजपा में बने हुए हैं। बल्कि टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने ठीक कहा है कि, श्राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री के रूप में एक बहुत ही जिम्मेदार संवैधानिक पद पर हैं। उन्हें या तो अपनी बात के सबूत पेश करने चाहिए या फिर माफी मांगकर इस्तीफा दे देना चाहिए। इसी तरह का बयान कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने दिया है कि श्वह सरकार में हैं, उन्हें कुछ दस्तावेज उपलब्ध कराने चाहिए।

पुतिन की भारत यात्रा: नयी विश्व राजनीति की आहट

ललित गर्ग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा एक साधारण कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के सात दशकों में बुनी एवं गढ़ी गई मित्रता का नवीन उद्घोष है। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र और शत्रु नहीं, स्थायी हित होते हैं, किंतु भारत–रूस संबंध इस कथन की परिधि से आगे जाकर स्थायी भरोसे, नैतिक दायित्व और पारस्परिक सम्मान के प्रतीक बने हुए हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका, यूरोप एवं नाटो गठबंधन रूस पर कठोर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने रूस को न केवल कूटनीतिक स्तर पर सम्मान–साथ दिया बल्कि ऊर्जा व रक्षा क्षेत्र में उसे सबसे भरोसेमंद साझेदार माना। इसलिए यह वार्ता केवल दो नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात नहीं, बल्कि एक नए युग के सूत्रपात का संकेत है, नयी विश्व राजनीतिक समीकरण की आहट है। भारत और रूस की मित्रता का इतिहास लगभग 70 वर्षों का है। शीतयुद्ध काल में रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से लेकर पोखरण परमाणु परीक्षणों तक, रूस ने भारत का साथ दिया। आज जब यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति को ध्रुवीकृत कर दिया है, अमेरिका ने भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाया, किंतु भारत ने सामरिक स्वायत्तता की नीति को बनाए रखते हुए रूस का साथ निभाया। पश्चिम के प्रतिबंधों के बीच भारत ने भारी मात्रा में रूसी पेट्रोलियम और गैस खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की तथा रूस को आर्थिक सहारा दिया। यह निर्णय महज एक वाणिज्यिक लाभ का मामला नहीं था, बल्कि भारतीय विदेश नीति की स्वयंभूता का प्रदर्शन था। दूसरी ओर, रूस ने भी भारत को कभी निराश नहीं किया। चाहे एस–400 वायु रक्षा प्रणाली हो, टी–90 टैंक हों, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुयू–57 से जुड़ा सहयोग, भारत की सैन्य क्षमता में रूस का योगदान निर्णायक रहा है। वहीं पाकिस्तान की शत्रुता के खिलाफ भारत के हितों को रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता रहा। हाल ही में दक्षिण एशिया की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों में रूस ने भारत की सामरिक चिंता को समझा और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों में सहयोग की भूमिका निभाई। यह तथ्य भारत–रूस संबंधों की गहराई और विश्वास को दर्शाता है। पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैशिक शक्ति–संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका–चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू–राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्जा सहयोग और बढ़ेगा। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और रूस उसके लिए सस्ता, विश्वसनीय तथा दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता। प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को कच्चे तेल के साथ ही कोयला, गैस और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग दिया। भारत को सस्ती ऊर्जा देने के पीछे केवल व्यावसायिक हित नहीं बल्कि मित्रता और सामरिक साझेदारी भी निहित है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग और विस्तृत होने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' रक्षा उत्पादन है और रूस इसके लिए सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। ब्रह्मोस मिसाइल, राइफल निर्माण, स्पेयर पार्ट सप्लाई और संयुक्त विकास कार्यक्रमों के नए विकल्प वार्ता में उभरेंगे। रूस भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, निर्माता के रूप में स्थापित करने में सहभागी है, जो संबंधों की परिपक्वता को दर्शाता है। भारत–रूस दोस्ती अब एक नया अध्याय लिखने को तत्पर है। दोनों देशों की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है, यहां तक की अमेरिका के साथ बेहतर हुए संबंधों के दौर में भी

रूस हमारा विश्वस्त साझीदार बना रहा है, प्रगाढ़ दोस्ती में कोई फर्क नहीं पड़ा है। अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों की दोस्ती में नई गरमाहट की संभावना के साथ दोस्ती के नये स्वस्तिक उकेरने की बात सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, लेकिन रूस के साथ देश के दशकों पुराने रक्षा संबंध भी बरकरार हैं। भारत ने अमेरिका और यूरोप से हथियारों की खरीद बढ़ाकर रूस पर निर्भरता को संतुलित बनाया है, लेकिन मॉस्को अभी भी भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। रूस दोस्ती की ओर आगे बढ़ते हुए भारत के लोगों को रोजगार देने के लिये भी एक समझौता मसौदा तैयार किया है। रूस अपने उद्योगों के लिए 10 लाख भारतीय कुशल श्रमिकों को काम पर रखना चाहता है। भारत–रूस संबंधों का सबसे मजबूत आधार है–कूटनीतिक विश्वास और सम्मान। रूस ने कभी भारतीय आंतरिक राजनीति या नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया। उसने कश्मीर, परमाणु नीति, रणनीतिक साझेदारी और पड़ोसी विवादों पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया। वहीं भारत ने भी रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझाकृचाहे नाटो विस्तार का मुद्दा हो या यूक्रेन का संघर्ष। इसलिए भारत ने पश्चिमी दबावों की उपेक्षा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी रूस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में रूस सहयोगी रहा है और भविष्य की यात्री–वाहक मिशनों में भी सहयोग की संभावनाएँ हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी भी विशेष हैरू योग, आयुर्वेद, साहित्य, रूसी नाट्यकला और भारतीय कलाकृसबने एक–दूसरे समाज में स्थान पाया। फिर भी यह संबंध चुनौतियों से खाली नहीं। चीन–रूस साझेदारी और भारत–अमेरिका निकटता के बीच संतुलन बनाए रखना दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। रूस चाहता है कि एशिया में भारत संतुलक भूमिका निभाए, वहीं भारत नहीं चाहता कि रूस का झुकाव चीन की ओर अत्यधिक बढ़े। इसी प्रकार रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण, उत्पादन विलंब और आर्थिक भुगतान व्यवस्थाओं पर भी मतभेद रहे हैं। किंतु इन मतभेदों को वार्ता द्वारा समाधान के प्रयास दोनों राष्ट्रों की परिपक्वता को दर्शाते हैं। पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की दृष्टि से भारत–रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं। यह यात्रा एक प्रतीक है–स्वतंत्र विदेश नीति, सामरिक साझेदारी और सांस्कृतिक सम्मान की।

सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में खुलेंगे रोजगार के असंख्य द्वार

प्रेम शर्मा

दुनियाभर में सेमीकंडक्टर उद्योग में रोजगार की असीम सम्भावनाएं हैं। फोन, लैपटॉप, इलेक्ट्रिक वाहन, 5जी नेटवर्क और एआई आदि सभी इलेक्ट्रॉनिक्स व डिजिटल तकनीकों में चिप चाहिये। भारत में फैब यूनिट्स शुरू होते ही लाखों नौकरियां आएंगी और स्किल्ड पेशेवरों की मांग होगी। बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी., केमिकल इंजी., क्लीन रूम तकनीशियन, वेफर प्रोसेस इंजी., पैकेजिंग विशेषज्ञ, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स इंजी. व टेस्टिंग विशेषज्ञों की जरूरत होगी। सेमीकंडक्टर चिप डिजिटल युग की रीढ़ है और प्रत्येक तकनीक की आत्मा बन चुकी है। स्मार्टफोन, लैपटॉप, चिकित्सा आधारित मशीनें, इलेक्ट्रिक वाहन, 5जी नेटवर्क और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित सभी के केंद्र में यही सूक्ष्म चिप काम करती है। दुनिया भर में चिप्स की मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत अब सेमीकंडक्टर निर्माण की दिशा में बड़े कदम उठा रहा है। युवाओं के पास उच्च वेतन, स्थायी कैरियर और वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने का समय है। भारत आज लगभग 90 प्रतिशत चिप आयात करता है। जैसे–जैसे डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण बढ़ रहा है, भारत में फैब, असेम्बलिंग, टेस्टिंग, मार्किंग, पैकेजिंग और डिजाइन कंपनियों की तेजी से स्थापना हो रही है। सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन, पीएलआई स्कीम और 50 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी जैसी नीतियों के माध्यम से सेमीकंडक्टर निर्माण को नई गति दी है। आने वाले पांच से सात वर्षों में भारत में अनेक फैब और असेम्बलिंग, टेस्टिंग, मार्किंग, पैकेजिंग यूनिट्स शुरू होने जा रही हैं। एक अकेला फेब्रिकेशन प्लांट 12,000–15,000 प्रत्यक्ष रोजगार और 25,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करता है। अनुमान है कि 2030 तक इस उद्योग में 25–30 लाख से अधिक नौकरियां उपलब्ध होंगी। इसके संदर्भ को समझें तो निकट भविष्य में भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स

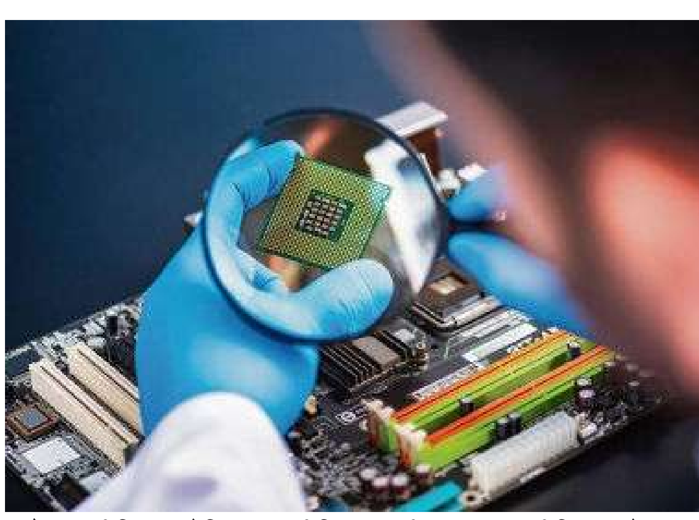

इंजीनियर, केमिकल इंजीनियर, क्लीन रूम तकनीशियन, वेफर प्रोसेस इंजीनियर, सेमीकंडक्टर पैकेजिंग विशेषज्ञ, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स इंजीनियर, क्वालिटी और टेस्टिंग विशेषज्ञ की बड़े स्तर पर आवश्यकता होगी। सेमीकंडक्टर उद्योग में काम करने के लिए केवल पारंपरिक इंजीनियरिंग डिग्री पर्याप्त नहीं है। यहां विशेषज्ञता, व्यावहारिक प्रशिक्षण और क्लीन रूम आधारित प्रैक्टिकल स्किल्स की आवश्यकता होती है। इसी आवश्यकता को देखते हुए आईआईटी, एनआईटी और श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय सहित कई संस्थान इनसे संबंधित कोर्स शुरू कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन कोर्स काफी महत्वपूर्ण है। इसमें नैनोफैब्रिकेशन, फोटोलिथोग्राफी, ऑक्सीडेशन, डिपोजिशन, आयन इम्प्लांटेशन जैसी प्रोसेस सिखाई जाती है। इसी तरह सेमीकंडक्टर पैकेजिंग कोर्स सबसे तेजी से बढ़ता क्षेत्र है, जहां चिप्स को पैक, टेस्ट और मार्क किया जाता है। इसके लिए युवा वायर बॉन्डिंग, फ्लिप–चिप पैकेजिंग, लेजर कटिंग, ऑटोमेटेड टेस्टिंग उपकरण का संचालन सीख कर अपना कैरियर बना सकते हैं। क्लीन रूम ऑपरेशन और मेंटेनेंस का फील्ड रोजगार के लिए काफी उपयुक्त है। सेमीकंडक्टर फैब में धूल का एक कण भी उत्पादन को प्रभावित कर सकता है, इसलिए प्रशिक्षित क्लीन रूम तकनीशियन की भारी मांग है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं वीएलएसआई डिजाइन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। जो युवा चिप डिजाइन में रुचि रखते हैं, उनके लिए वीएलएसआई, डिजिटल सर्किट डिजाइन, कैड टूल्स जैसे क्षेत्र सर्वोत्तम हैं। कंपाउंड सेमीकंडक्टर एसआईसी और जीएएन कोर्स की मांग बहुत तेजी से बढ़ने वाली है। भविष्य ईवी और हाई पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स का है, और इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की मांग कई गुना बढ़ेगी। सेमीकंडक्टर उद्योग में न केवल रोजगार की असीम सम्भावनाएं हैं, बल्कि शुरुआती वेतन भी काफी अच्छा रहता है। प्रारम्भिक वेतन 5 से 12 लाख वार्षिक तक होता है। भारत में फैब यूनिट्स शुरू होते ही लाखों नौकरियां आएंगी और कुशल लोगों को हाथोंहाथ लिया जाएगा।

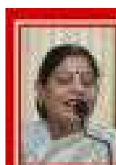

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

दुनियादारी सीख लो, आएगा यह काम।
सबके मन को जीत के, कर लो जग में नाम।।
कर लो जग में नाम, सफल फिर जीवन होना।
सहकर भी तूफान, नहीं फिर जग में रोना।।
कहती रचना आज, तभी जीवन सुखकारी।
करके अच्छे काम, सीख लें दुनियादारी।।

सिखलाया माँ नें यही , करना अच्छे काम।
दुनियादारी सीख लो, फिर देखो परिणाम।।
फिर देखो परिणाम, नही फिर हार मिलेगी।
बाधाओ के साथ, भले ही जंग रहेगी।।
कहती रचना आज,सदा इसको अजमाया।
करते अच्छा काम, जिसे माँ ने सिखलाया।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

ना साड़ी, ना लहंगा–जाह्नवी का बोल्ड ऑफ–शोल्डर लुक वायरल

स्टार किड्स की दुनिया में कई चेहरे होते हैं, लेकिन श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर का जादू अलग ही है। एक्टिंग, डांस और स्टाइल तीनों में माहिर जाह्नवी हर बार अपने लुक से लोगों का ध्यान खींच लेती हैं। हाल ही में जाह्नवी ने एक इवेंट में ऐसा लुक पहना कि सबके दिल जीत लिए। इस बार उनकी कोर्सेट टॉप और स्कर्ट में एंट्री ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। जाह्नवी बचपन से ही कपूर परिवार की लाडली रही हैं। हालांकि उनकी पहचान पहले भी थी, लेकिन जब से वे लाइमलाइट में आई हैं, फैंस के दिल में उनकी अलग जगह बन गई है। जाह्नवी हर मौके पर कुछ नया करती हैं कभी पूजा–पाठ वाला संस्कारी अंदाज, तो कभी स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक। इस बार भी उन्होंने अपने स्टाइल में कोई कमी नहीं छोड़ी। इवेंट में न साड़ी, न लहंगा, बल्कि एकदम अलग और मॉडर्न आउटफिट पहना। जैसे ही जाह्नवी रेड कार्पेट पर पहुंचीं, सब उनकी ओर निहारते रह गए। आराम से हंसते–हंसते जाह्नवी ने मिनटों में सारी लाइमलाइट अपनी मुट्ठी में कर ली। जाह्नवी का आउटफिट अनामिका खन्ना ने डिजाइन किया। उनका यह येलो कलर वाला लुक उनके चेहरे और पर्सनैलिटी की ब्यूटी को और निखार रहा था। जाह्नवी अपने फैशन चॉइस में हमेशा सावधानी बरतती हैं, जिससे उनका लुक कभी बोरिंग नहीं दिखता। जाह्नवी ने इस बार यूनिक लुक के लिए कॉर्सेट–स्टाइल स्ट्रैपलेस टॉप पहना। टॉप का डिजाइन उनके शोल्डर और कॉलर बोन को खूबसूरती से हाइलाइट कर रहा था। फैब्रिक का मिक्स और टॉप के पीछे लगी जिप ने इसे परफेक्टली फिट बनाया। इन सभी एलिमेंट्स की वजह से उनका फिगर ब्यूटीफुली हाइलाइट हुआ और लुक एलिगेंट लग रहा था। स्ट्रैपलेस टॉप कई हसीनाओं ने पहना होगा, लेकिन जाह्नवी का टॉप सबसे हटकर नजर आया। टॉप पर हाथ से पेंटेड डिजाइन थे, जिसमें बेलों और फ्लोरल पैटर्न का काम किया गया था। येलो कलर के साथ यह वाइब्रेंट और अट्रैक्टिव लुक दे रहा था। कॉर्सेट टॉप के साथ जाह्नवी ने मस्टर्ड येलो स्कर्ट पेयर की। स्कर्ट सिल्क फैब्रिक की थी और हाई वेस्ट डिजाइन वाली थी। सॉफ्ट ड्रेपिंग और फ्लोइंग फॉल ने उनके मूवमेंट को एलिगेंट बना दिया। स्कर्ट और टॉप का कॉम्बिनेशन उनके लुक को रिच, मॉडर्न और ग्रेसफुल बना रहा था। जाह्नवी ने अपने आउटफिट के साथ ज्नतुनवपेम जेमस्टोन इयररिंग्स पहनी, जो उनके स्लीक हेयरस्टाइल के साथ सुंदर नजर आ रही थीं। हाथ में ब्रेसलेट भी था, जबकि गले में उन्होंने कुछ नहीं पहना ताकि टॉप हाइलाइट हो। हाथों में पोटली स्टाइल बैग भी देखा गया, जिस पर हैंड पेंट और गोल्डन फ्रिंज व बीडवर्क किया गया था। बैग ने मस्टर्ड टोन के आउटफिट को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट किया और लुक को पूरी तरह आर्टिस्टिक और एलिगेंट बना दिया। जाह्नवी कपूर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्टाइल, कॉन्फिडेंस और पर्सनैलिटी का सही मेल ही उन्हें नंबर–1 स्टार किड बनाता है। चाहे रेड कार्पेट हो या इवेंट, जाह्नवी हर बार हंसते–हंसते सबका दिल जीत लेती हैं।

एक्ट्रा पैसे लेकर भी तोड़ दिया सितार, एयर इंडिया पर फूटा अनुष्का शंकर का गुस्सा, कहा– हैंडलिंग फीस लेने के बावजूद भी ऐसा किया

दिवंगत महान सितार वादक रविशंकर की बेटी अनुष्का शंकर भी एक जानी मानी सितार वादक हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने एयर इंडिया पर अपना गुस्सा निकाला है। अनुष्का ने बताया कि एयर इंडिया की फ्लाइट में उनका उनका सितार टूट गया। उनके इस वीडियो को देखने बाद यूजर्स उनकी नाराजगी को जायज बता रहे हैं। अनुष्का शंकर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर लिखा–लंबे समय के बाद मैं पहली बार एयर इंडिया से उड़ान भर रही थी। आप ही वह देश हैं, जिसका यह संगीत है। 15–17 सालों में मेरे वाद्य यंत्र के साथ ऐसा पहली बार हुआ है। वीडियो में उन्होंने अपने सितार पर आई दरारें दिखाते हुए कहा, पहले मैं अपने सितार के ऊपरी हिस्से को देख रही थी और मुझे लगा कि इसकी धुन वाकई बिगड़ गई है। धुन ठीक करने के बाद, मैंने इसे बजाने के लिए उठाया और तभी मुझे एहसास हुआ...। अनुष्का ने एयर इंडिया से सीधे तौर पर सवाल करते हुए कहा–आपने यह कैसे किया? मेरे पास स्पेशल क्लास है, आप हैंडलिंग फीस लेते हैं और फिर भी आपने ऐसा किया? पोस्ट के कैप्शन में अनुष्का शंकर ने लिखा–एयर इंडिया द्वारा मेरे सितार के साथ किए गए व्यवहार से मैं बहुत निराश और सचमुच परेशान हूं। बिना जानबूझकर लापरवाही के ऐसा नुकसान कैसे हो सकता है? यह और भी दुखद है, क्योंकि मैंने लंबे समय के बाद एयर इंडिया से उड़ान भरी है और ऐसा लगता है कि एक भारतीय वाद्य यंत्र उनके साथ सुरक्षित नहीं रह सकता, क्योंकि मैंने हजारों उड़ानें दूसरी एयरलाइन्स से भरी हैं और एक भी पेग की धुन खराब नहीं हुई है। अनुष्का शंकर के इस पोस्ट पर कॉमेडियन जाकिर खान भी रिएक्ट किया, जो खुद भी सितार बजाते हैं। उन्होंने लिखा, ये दिल तोड़ देने वाला है। विशाल ददलानी ने लिखा–हे भगवान, यह दिल दहला देने वाला है! मुझे बहुत दुख है।

मशहूर फिल्ममेकर एवीएम सरवनन का जन्मदिन के 1 दिन बाद निधन, 86 की उम्र में ली अंतिम सांस

साउथ फिल्म इंडस्ट्री से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आ रही है। तमिल के मशहूर फिल्ममेकर एवीएम सरवनन अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 86 की उम्र में निधन हो गया है। एवीए उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे, लेकिन वह बीमारियों से उबर नहीं पाए और उनका आ सुबह निधन हो गया। फिल्ममेकर के निधन की खबर सामने आते ही पूरी फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि एवीएम सरवनन का कई महीनों से इलाज चल रहा था, जिसके बाद उनका चेन्नई स्थित घर में आज सुबह 5.30 बजे निधन हो गया है। सरवनन अपने 86वें जन्मदिन के एक दिन बाद इस दुनिया को अलविदा कह गए हैं। एवीएम सरवनन का पार्थिव शरीर आज शाम 4 बजे उनके एवीएम स्टूडियो की तीसरी मंजिल पर उनके अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद आज शाम को ही एवीएम विद्युत शवदाह गृह में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। एवीएम सरवनन फेमस निर्माता एवी मयप्पन चेट्टियार के तीसरे बेटे थे। अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने साल 1958 में ऑफिशियली एवीएम प्रोडक्शंस स्टूडियो का काम संभाला और पिता की विरासत को कायम रखा। उनके निर्माण में बनी फिल्मों में संसारम अधु मिनसारम, नानम ओरु पेन, शिवाजी, मिनसारा कानावु, वेट्टैयाडु विलैयाडु और अयान जैसी फिल्में शामिल हैं।

विपुल अमृतलाल शाह ने उठाया बड़ा कदम, सनसाईन पिक्चर्स डिजिटल से शुरू किया नया अध्याय

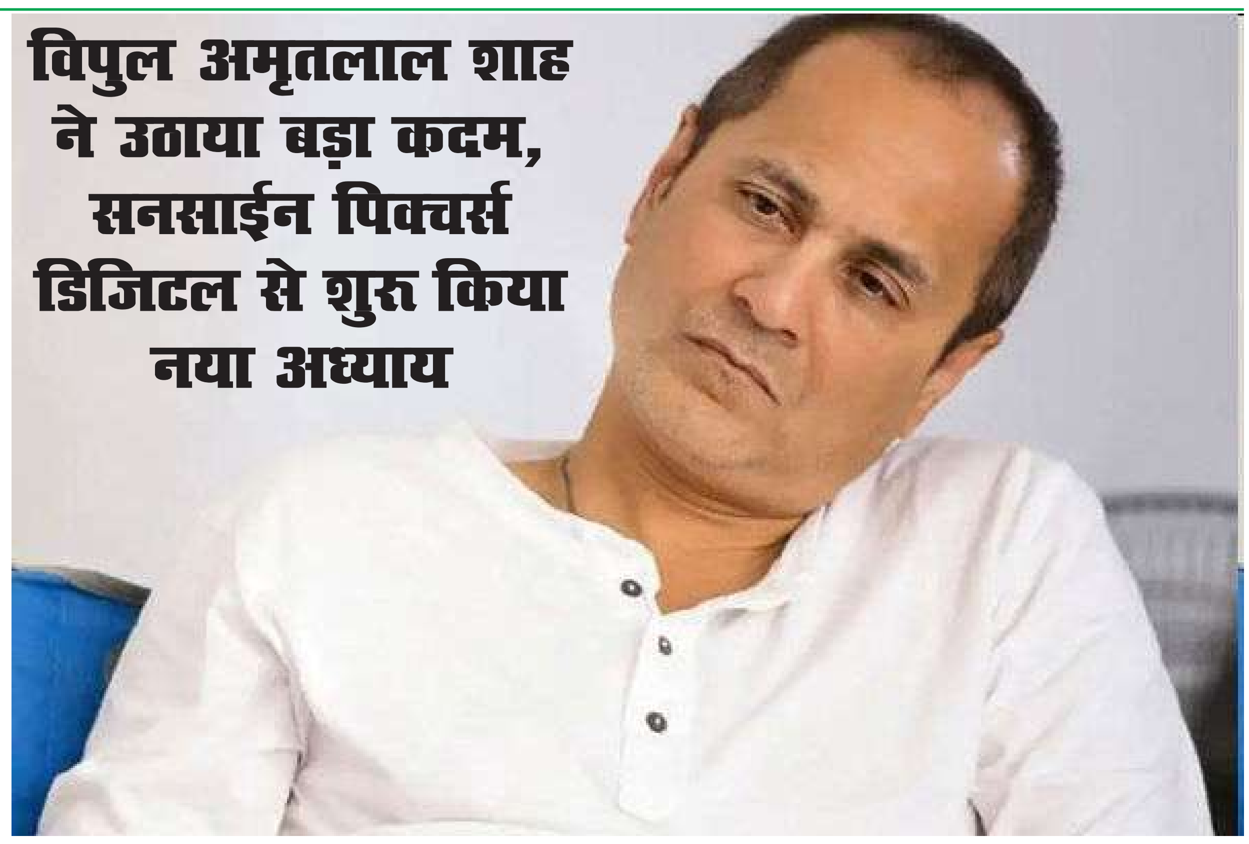

विपुल अमृतलाल शाह ने दुनिया को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। उनके बैनर, सनशाइन पिक्चर्स, के तहत उन्होंने ऐसी कहानियाँ पेश की हैं जो मनोरंजन के साथ–साथ असर भी छोड़ती हैं। अब फिल्ममेकर अपने क्रिएटिव यूनिवर्स को और आगे बढ़ाते हुए सनशाइन पिक्चर्स डिजिटल नाम की नई विंग लॉन्च कर रहे हैं, जिसका मकसद है डिजिटल एंटरटेनमेंट के लिए बेहतरीन और क्वॉलिटी से भरपूर कंटेंट पेश करना। हाल ही में विपुल अमृतलाल शाह ने मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में एक खास समारोह के दौरान अपने म्यूजिक वर्टिकल सनशाइन म्यूजिक की लॉन्चिंग की थी। अब वे एक और नया वर्टिकल सनशाइन पिक्चर्स डिजिटल की घोषणा कर रहे हैं, जिसके तहत उनकी यूट्यूब चौनल पर लगातार फ्री–टू–वॉच वेब सीरीज रिलीज की जाएंगी। यह फिल्ममेकर की ओर से वाकई एक रोमांचक घोषणा है, जो आने वाले समय में दर्शकों के लिए ढेर सारा मनोरंजन लेकर आएगी। सनसाईन पिक्चर्स डिजिटल नए राइटर्स, क्रिएटर्स, एक्टर्स और टेक्निशियंस के लिए एक अच्छा और भरोसेमंद मंच तैयार करेगा, जहाँ वे आसानी से अपना टैलेंट दिखा सकेंगे। फ्री में देखने लायक वेब सीरीज बनाने का फैसला इस प्लेटफॉर्म की पहुँच और बढ़ा देगा, जिससे नए टैलेंट को ज्यादा लोगों तक पहुँचने का मौका मिलेगा। विपुल अमृतलाल शाह की सोच और संजय उपाध्याय के नेतृत्व में यह डिजिटल विंग नए क्रिएटिव लोगों को एक साफ–सुथरा और आसान मौका देगा। सनशाइन पिक्चर्स की हिट फिल्मों की वजह से भरोसा बनता है कि अब डिजिटल दुनिया में भी नए और युवा टैलेंट को वही अच्छी क्वालिटी मिलेगी।"बावरा मन" इशान की कहानी है। इशान बेंगलुरु का एक समझदार लेकिन बेचैन लड़का है, जो टेक काम करता है। सफलता की भागदौड़ में वह अपने असली सपने को भूल जाता है, जो है गांव की महिलाओं की मदद करना। मेघा से एक बड़े झगड़े के बाद उसकी दुनिया बिखर जाती है। मेघा एक मजबूत और आत्मविश्वासी लड़की है, जो इशान को उसकी कमजोर सोच और गलत समझ दिखाती है। इशान दुखी होकर अपने गांव बेटिया लौट आता है। यहां उसकी मां की शांति और गांव की महिलाओं की चुप ताकत उसे फिर सही रास्ता दिखाती है। वह धीरे–धीरे अपना सपना दोबारा बनाना शुरू करता है, लेकिन उसे एक ऐसे सिस्टम से लड़ना पड़ता है, जो इंसान से ज्यादा पैसे को अहमियत देता है। जब उसकी कोशिश लगभग खत्म होने वाली होती है, तभी मेघा वापस उसकी जिंदगी में आती है। अब वह टेक दुनिया में बड़ी बन चुकी है और उसके पास इशान के प्रोजेक्ट को बचाने या खत्म करने की पूरी ताकत है।इसके बाद आगे बढ़ती है जिम्मेदारी, सुधार और नई शुरुआत की एक मजबूत कहानी। "बावरा मन" महत्वाकांक्षा, लड़के–लड़की के फर्क और अपने अहंकार को छोड़कर सही रास्ता चुनने की हिम्मत की कहानी है। सनशाइन पिक्चर्स अभी भी अपनी असली पहचान बनाए हुए है, जिसने आंखें, हॉलिडे, कमांडो, फोर्स, नमस्ते लंदन जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। उनके पास 2026 में भी कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। डिजिटल विंग की अगुवाई सनसाईन पिक्चर्स डिजिटल के हेड संजय उपाध्याय करेंगे, और इसे आशीष ए. शाह प्रोड्यूस करेंगे।

किस किसको प्यार करूं 2 का रांझे नू हीर हुआ रिलीज

कपिल शर्मा एक बार फिर किस किसको प्यार करूं 2 के साथ दर्शकों के दिलों पर राज करने के लिए तैयार हैं। इस बार वे सिर्फ तीन नहीं, बल्कि चार शादियाँ संभालते नजर आएंगे, जो ढेर सारी उलझनों, हंसी–मजाक और क्लासिक कपिल–स्टाइल के धमाल का वादा करती हैं। हाल ही में मेकर्स ने रांझे नू हीर के टीजर को रिलीज किया, जो हीरा वारिना और कपिल शर्मा के बीच पनपते मासूम रोमांस को खूबसूरती से दर्शाता है, और दर्शकों को और देखने के लिए उत्सुक कर देता है। आज मेकर्स ने इस सोलफुल ट्रैक रांझे नू हीर को रिलीज किया, एक ऐसा गीत जो आपको आपके प्यार के शुरुआती दिनों की मिठास और सादगी में वापस ले जाता है। कपिल शर्मा की गर्मजोशी और सादगी भरी शख्सियत, और हीरा वारिना की नैचुरल ग्रेसकृदोनों ही इस गाने के मूड और फील को और खूबसूरत बनाते हैं, जिससे यह एक दिल छू लेने वाला अनुभव बन जाता है। जुबिन नौटियाल द्वारा गाया गया यह सुकूनभरा गाना डिगवी द्वारा कंपोज किया गया है, जिसमें लवराज ने बेहद खूबसूरत बोल लिखे हैं। रांझे नू हीर हर उस रांझा के लिए है जो अपनी हीर से दिल की बात कहना चाहता है। अनुकल्प गोस्वामी द्वारा निर्देशित किस किसको प्यार करूं 2 का निर्माण रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास–मस्तान ने वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया है। यह फैमिली एंटरटेनर 12 दिसंबर 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

घर पर बनाना चाहते हैं होटल जैसे लाजवाब आलू के पराठे, तो फॉलो करें ये बेहद आसान रेसिपी

आलू के पराठे भारतीय खाने का एक अहम हिस्सा हैं, जिन्हें नाश्ते या लंच में पसंद किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि होटल या ढाबे में मिलने वाले आलू के पराठे कितने लजीज होते हैं? अगर आप भी घर पर बनाए आलू के पराठों को उसी स्वादिष्टता में बनाना चाहते हैं, तो यहां दी गई रेसिपी आपके लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।

रेसिपी की तैयारी

सामग्री

2 कप आटा
6 उबले हुए आलू
नमक (स्वादानुसार)
4 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)
2 इंच अदरक (कद्दूकस किया हुआ)
2 स्पून सरसों का तेल
1 स्पून जीरा
1 बारीक कटा हुआ प्याज
घी (सेंकने के लिए)

बनाने की विधि

सबसे पहले 2 कप आटे को एक बड़े बर्तन में लेकर अच्छे से गूंथ लें। इसे 5 मिनट के लिए ढककर रखें ताकि यह सेट हो सके। अब 6 उबले आलुओं को छीलकर अच्छे से मैश कर लें। मैश किए हुए आलुओं में नमक, बारीक कटी हुई धनिया, हरी मिर्च, और अदरक मिलाएं। एक कढ़ाई में 2 स्पून सरसों का तेल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तो उसमें 1 स्पून जीरा, बारीक कटा हुआ प्याज और हरी मिर्च डालकर थोड़ी देर भूनें। अब इस मिश्रण में मैश्ड आलू डालें और इसे लगभग 2 मिनट तक अच्छे से चलाएं, ताकि सभी सामग्री मिल जाएं। अब आटे के छोटे–छोटे पेड़े बनाएं और उनके अंदर आलू की स्टफिंग भरें। फिर इन पेड़ों को बेल लें। तवे पर थोड़ा सा घी डालकर पराठे को दोनों तरफ से हल्का भूरा होने तक सेंक लें।

पराठे का आनंद लें

आपके होटल जैसे आलू के पराठे अब तैयार हैं। इन्हें गरमागरम चटनी, अचार या सब्जी के साथ सर्व करें। यह रेसिपी महज 10 मिनट में दो लोगों के लिए तैयार की जा सकती है, जिससे आप आसानी से अपने परिवार या दोस्तों को एक बेहतरीन नाश्ता परोस सकते हैं। इस आसान रेसिपी को अपनाकर आप अपने घर पर ढाबा स्टाइल आलू के पराठों का लुत्फ उठा सकते हैं। तो क्यों न आज ही इसे ट्राई करें और अपने स्वाद को बढ़ाएं!

वेडिंग सीजन में पार्लर जाने की जरुरत नहीं है, घर पर ही बनाएं ये ट्रेंडी बन हेयर स्टाइल, सब करेंगे तारीफें

अभी तो वेडिंग का सीजन चल रहा है। हर तरफ–तरफ शादियों की धूम देखने को मिल रही है। 14 दिसंबर तक ही शादियों का सीजन है। ऐसे में अगर आपके घर में या रिश्तेदारी में कोई शादी है, तो इसके लिए आपको पार्लर में जाकर तैयार होने की जरुरत नहीं है। पार्लर जाकर ज्यादा पैसा खर्च करने की जरुरत नही है। यदि आप शादी में एकदम परफेक्ट दिखना चाहती हैं तो इन बन हेयर स्टाइल को जरुर ट्राई करें।

साइड ब्रेड बन

यह हेयर स्टाइल काफी यूनिक है। साइड ब्रेड बन को बनाने के लिए आपके एक–एक लेयर लेते जाना है। इसके बाद आखिर में बचे बालों को राउंड करते हुए बन लुक दे देना। आप इसमें छोटे–छोटे स्टिकी बीड्स या फ्लावर भी लगा सकते हैं।

हाई राउंड बन

अगर आपको बन टाइप के हेयर स्टाइल बेहद पसंद है, तो आप तस्वीर में दिखाया गया राउंड हाई बन लुक ट्राई कर सकती है। इसको आप राउंड–राउंड करते हुए स्टेंसिल की मदद या फिर हाथों से भी बना सकती है। हाई राउंड बन बनाने के बाद आप चारों तरफ फ्लावर गजरा या फिर बीच में कोई हेयरएक्सेसरीज लगाकर सुंदर लुक दे सकते हैं।

क्रिस क्रॉस लो बन

किसी भी पार्टी या फिर शादी में खुद को जबरदस्त लुक देने के लिए क्रिस क्रॉस हेयर बनाना काफी परफेक्ट होता है। इसे बनाना काफी आसान है। इसके लिए आप ऊपर की साइड आप ट्वलिप फ्लॉवर को टक करके इसे और भी ज्यादा बेहतर लुक दिया जा सकता है।

दिसंबर में घूम आएं मनाली के पास मौजूद ये 3 जगहें, सर्दियों में बन जाती हैं स्वर्ग

सर्दियों में मनाली घूमने के लिए दूर–दूर से लोग आते हैं। क्योंकि यहां पर एडवेंचर, बर्फबारी और प्राकृतिक सुंदरता देखने को मिलती है। एक ही महीने में आपको यहां पर कई चीजों का नजारा देखने को मिल जाता है। हिमालय की गोद में बसे इस खूबसूरत हिल स्टेशन पर आपको दिसंबर के महीने में बहुत भीड़ देखने को मिलेगी। ठंड के मौसम में बर्फ से ढके पहाड़ों का नजारा देखने वाला होता है। यहां पर देवदार के जंगल, सफेद चादर से ढकी घाटियां और बर्फ से ढके पहाड़ इस जगह को सर्दियों में स्वर्ग बना देती है। ऐसे में अगर आप भी दिसंबर महीने में मनाली घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बर्फबारी का सही समय पता होना बेहद जरूरी है। क्योंकि मनाली के पास कई जगहों पर दिसंबर महीने में बर्फबारी नहीं होती है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनाली की उन् खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर दिसंबर महीने में अच्छी–खासी बर्फबारी होती है।

स्पीति घाटी

बता दें कि मनाली के पास स्थिति स्पीति घाटी को दिसंबर महीने में बर्फबारी के लिए बेहद खास माना जाता है। यहां पर दिसंबर महीने में आपको यहां पर ऊंचे–ऊंचे पहाड़ बर्फ से ढके हुए नजर आएंगे। समुद्र तल से करीब 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थिति इस जगह पर आप स्नोफॉल का सुंदर नजारा देख सकते हैं। यहां पर एक कामिक नाम का गांव है, जो हिमालय की सबसे ऊंचाई र बसा गांव है। इसकी ऊंचाई करीब 4,513 मीटर है। अगर आप भी दिसंबर महीने में स्नोफॉल देखना चाहते हैं, तो आपको दिसंबर महीने में यहां पर आना चाहिए। यह मनाली की सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

किन्नौर

दिसंबर के महीने में बर्फ का सुंदर नजारा देखने के लिए आपको दिसंबर महीने में किन्नौर जा सकते हैं। कभी–कभी बर्फ से ढकी चोटियां आपको उड़ते पहाड़ों की तरह अहसास करवाएगी। किन्नौर में एक बेहद खूबसूरत जगह है, जिसका नाम सांगला वैली है। अगर आप भी यहां जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको इस वैली का नजारा जरूर देखना चाहिए। दिसंबर का समय यहां पर बर्फ देखने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। मनाली में घूमने के लिहाज से कई अच्छी जगहें हैं।

चंबा

अधिक ऊंचाई पर स्थिति होने के कारण आपको यहां पर ज्यादा भीड़ देखने को नहीं मिलेगी। इसलिए आपको ज्यादा फायदा होगा। चंबा की सबसे अच्छी बात यह है कि दिसंबर और जनवरी के महीने में आपको यहां अपने चारों ओर बर्फ की सफेद चादर नजर आएगी। ऐसे में जो लोग मनाली के आसपास सिर्फ बर्फ का नजारा देखने के लिए घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप चंबा जा सकते हैं।

मार्केट से न खरीदें कीट-संक्रमित अमरूद, खरीदने से पहले इन टिप्स का पता होना चाहिए

सर्दियों में अमरूद खाने का स्वाद काफी मजेदार लगता है। कुछ लोग इसका स्वाद लेने के लिए इसकी चटनी बनाते हैं तो कुछ लोग इसे नमक और काली मिर्च के साथ खाते हैं। अमरूद एक पोषक तत्वों से भरपूर फल है जिसमें फाइबर और विटामिन सी भी होता है। यह बेहतर पाचन में भी सहायता करता है। अपने स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के कारण अमरूद एक लोकप्रिय भोजन है। अमरूद खरीदते समय ग्राहकों को अक्सर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहां तक घ्कि ताजा दिखने वाले अमरूद में भी अक्सर कीड़े होते हैं। इससे फल की गुणवत्ता कम होने के साथ–साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। हम आपको बताते है कि आप अमरुद को लाते समय किन बातों का ध्यान रखें।

अमरूद की जांच करें

कीडें लगे हुए अमरूद को बिना काटे पहचानना ज्यादा मुश्किल नहीं है। बाजार से अमरूद खरीदने से पहले आपको

उसकी सतह की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए। यदि आप कोई छोटे छेद, सड़क के निशान, या असमान रंग देखते हैं तो आपको पता होना चाहिए कि इस अमरूद में कीड़े हो सकते हैं। इस तरह से कीड़ों के कारण अमरूद का रंग बदल जाता है।

अमरूद को दबा के खरीदें

जब आप अमरूद खरीदने जा रहे तो पहले उसे हथेली से हल्का सा दबा लें। यदि आप अमरूद दबाने पर बेहद मुलायम लग रहा है, तो उसे न खरीदें। अमरूद को बहुत ही सख्त या मुलायम नहीं होने चाहिए। ज्यादा ही सख्त अमरुद कच्चा हो सकता है, नरम अमरूद में कीड़े निकल सकते हैं।

खुशबू से पहचाने

बता दे कि, जो अमरूद ताजे और मीठे होते हैं उनमें भीनी–भीनी खुशबू जरुर होती है, यदि वे मीठे नहीं हैं, तो वे मीठे नहीं होंगे। दूसरी ओर, जिन अमरूदों में कीड़े होते हैं उनमें अजीब गंध आ सकती है। ऐसे अमरूद को काटने पर छोटे–छोटे कीड़े या काले धब्बे दिख सकते हैं। अमरूद खरीदने से पहले उसे सूंघना सुनिश्चित करें।

अमरूद का रंग जांच करें और छिलका

जब आप अमरूद खरीदने से पहले उसका छिलका और रंग को जांच लें। यदि अमरुद का छिलका चिकना, लचीलादार और आकार के हिसाब से वजनदार हो तो अमरूद अच्छा है, वहीं, रंग की बात करें तो स्वादिष्ट अमरूद पाने के लिए हल्का पीला अमरूद खरीदने चाहिए। अगर आप खट्टे अमरूद पसंद करते हैं, तो हरा अमरूद खरीदें। पूरा पीला अमरूद ठीक नहीं होता है।

शावर से नहाना बन सकता है लकवा और ब्रेन हेमरेज का कारण! न करें नहाते समय ये गलती

नहाना हमारी दिनचर्या का एक अहम हिस्सा होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर नहाते समय कुछ सामान्य गलतियां की जाएं तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए खतरे का कारण बन सकती हैं? हाल ही में यह बात सामने आई है कि शावर से नहाने के दौरान गलत तरीके से शरीर के तापमान में अचानक बदलाव से लकवा और ब्रेन हेमरेज जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। यह समस्या विशेष रूप से उन लोगों के लिए खतरनाक हो सकती है जिनका रक्तचाप असंतुलित रहता है या जो दिल या दिमाग से संबंधित समस्याओं से जूझ रहे होते हैं।

शावर से नहाने का खतरा

शावर से नहाते समय अचानक शरीर के तापमान में बदलाव आ सकता है। जब हम ठंडे पानी से गर्म पानी में शावर लेते हैं, तो शरीर पर इस बदलाव का असर सीधा पड़ता है। खासकर, अगर शावर का पानी बहुत गर्म हो और आपके शरीर को इस गर्मी की आदत नहीं हो, तो रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं और रक्तचाप में असमान बदलाव हो सकते हैं। इस तरह के बदलाव से व्यक्ति को चक्कर आ सकते हैं, रक्त संचार प्रभावित हो सकता है और इससे लकवा या ब्रेन हेमरेज का खतरा बढ़ सकता है। यह स्थिति उन लोगों के लिए और भी खतरनाक हो सकती है जिनके दिल की धड़कन असामान्य हो या जो पहले से किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या से ग्रस्त हों।

कैसे होता है ब्रेन हेमरेज और लकवा

ब्रेन हेमरेज तब होता है जब मस्तिष्क में रक्तस्राव हो जाता है। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब मस्तिष्क की रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं या फट जाती हैं, जिससे रक्त मस्तिष्क के टिश्यू में फैल जाता है। इसी तरह, शावर के दौरान अचानक रक्तचाप के उतार–चढ़ाव से रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ता है, जो रक्तस्राव का कारण बन सकता है। अगर शावर के दौरान यह समस्या उत्पन्न होती है, तो मस्तिष्क में रक्तस्राव होने के कारण लकवा जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस स्थिति में शरीर के कुछ हिस्सों की कार्यक्षमता प्रभावित हो जाती है, और व्यक्ति को शरीर के अंगों पर नियंत्रण खोना पड़ता है।

शावर लेते वक्त ये गलतियां न करें

शावर लेते वक्त अगर आप अचानक ठंडे पानी से गर्म पानी की ओर बढ़ते हैं तो यह आपके रक्तचाप पर विपरीत असर डाल सकता है। शरीर को गर्म पानी से कूल्ड वॉटर में जाने में समय देना चाहिए और इसी तरह धीरे–धीरे तापमान को सामान्य बनाए रखना चाहिए।

बहुत देर तक गर्म पानी में न रहें

शावर में ज्यादा देर तक गर्म पानी का इस्तेमाल शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शरीर में गर्मी का अत्यधिक संचार रक्तवाहिकाओं को फैलाता है और दिल पर दबाव डालता है। इससे रक्तचाप में वृद्धि हो सकती है और शरीर में थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है। इसलिए 10–15 मिनट से ज्यादा शावर में न रहें।

शावर का दबाव ज्यादा न रखें

शावर का पानी अत्यधिक दबाव से आ रहा हो तो यह शरीर पर दबाव डाल सकता है। खासकर जब रक्त वाहिकाओं में पहले से समस्या हो, तो अत्यधिक दबाव से रक्त के प्रवाह में असंतुलन हो सकता है। इसलिए शावर का दबाव हल्का रखें और धीरे–धीरे पानी की धार का आनंद लें।

नहाते समय संतुलन बनाए रखें

शावर के दौरान कभी भी अपने शरीर को अत्यधिक झुककर न धोएं। शरीर के संतुलन को बनाए रखने की कोशिश करें ताकि आपके रक्त संचार पर कोई विपरीत असर न पड़े। ज्यादा झुकने से शरीर में खून का प्रवाह असामान्य तरीके से हो सकता है, जिससे चक्कर आ सकते हैं और लकवा का खतरा बढ़ सकता है।

स्वस्थ शावर की आदतें

पानी का तापमान नियंत्रित रखें: नहाते समय हमेशा पानी का तापमान जांच लें और इसे आरामदायक रखें। न ज्यादा ठंडा, न ज्यादा गर्म। यह रक्तचाप को स्थिर रखने में मदद करता है।

सावधानी से शावर लें: नहाने से पहले कमरे का तापमान सही रखें ताकि शावर लेते समय आपको अचानक ठंडा या गर्म महसूस न हो। साथ ही शावर के पानी का बहाव भी नियंत्रित रखें।

नहाने की लंबाई कम रखें: शावर का समय लंबा न खींचें। 5–10 मिनट से अधिक समय न लगाएं। ज्यादा समय तक शावर में रहने से शरीर पर तनाव बढ़ सकता है।

दूसरों को भी जागरूक करें: यह जानकारी दूसरों तक भी पहुंचाएं, खासकर उन लोगों को जो उच्च रक्तचाप या दिल की बीमारी से ग्रस्त हैं। इस जानकारी से वे अपनी आदतों में सुधार कर सकते हैं और शावर लेते समय सावधानी बरत सकते हैं।शावर लेना न केवल स्वच्छता बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि यह एक आरामदायक और ताजगी का अहसास भी देता है। हालांकि, अगर इसे सही तरीके से न लिया जाए तो यह स्वास्थ्य के लिए खतरा भी बन सकता है। शावर लेने के दौरान शरीर के तापमान में अचानक बदलाव और अन्य गलत आदतें रक्तचाप में बदलाव ला सकती हैं, जिससे लकवा या ब्रेन हेमरेज जैसी खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए शावर लेने की आदतें सही और स्वस्थ रखना बेहद जरूरी है।सुरक्षित शावर के लिए इन सुझावों का पालन करें और अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें।

संक्षिप्त

RBI की मौद्रिक नीति के फैसले के बाद रुपया 16 पैसे टूटकर 90.05 प्रति डॉलर पर

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये ने दोपहर कारोबार में अपनी शुरुआती बढ़त खो दी और डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर गया। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को प्रमुख ब्याज दर में कटौती के बाद रुपये में गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि जब तक कि विदेशी संस्थागत निवेशक बड़े पैमाने पर बाजार में पैसे नहीं डालते, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दरों में कटौती से रुपया नीचे आता रहेगा केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को वृहद आर्थिक स्थिति एवं वैश्विक परिस्थितियों पर गौर करते हुए प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.85 पर खुला। सुबह के कारोबार में बढ़त के साथ 89.69 पर पहुंच गया था जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की बढ़त दर्शाता है। आरबीआई की मौद्रिक नीति घोषणा के बाद रुपये में गिरावट आई और यह 16 पैसे टूटकर 90.05 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की गिरावट है। रुपया बृहस्पतिवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ 89.89 पर बंद हुआ था। इस साल डॉलर के मुकाबले रुपया करीब पांच प्रतिशत टूटा है जो एशिया मुद्रा के मुकाबले सबसे खराब प्रदर्शन है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.97 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स 488.75 अंक चढ़कर 85,754.07 अंक और निफ्टी 163.25 अंक की बढ़त के साथ 26,197 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.15 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,944.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

इंडिगो ने यात्रियों से मांगी माफी, कैंसिलेशन पर पूरा रिफंड और फ्री री-शेड्यूलिंग सुविधा देने का दावा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने उड़ानों में लगातार देरी और बड़े पैमाने पर रद्दीकरण के बाद यात्रियों से सार्वजनिक माफी मांगी है। कंपनी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में यात्रियों को जो परेशानियां झेलनी पड़ीं, वह उसे समझती है और स्थिति सुधारने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। यह माफी डीजीसीए द्वारा अपने हालिया सख्त निर्देशों को तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाने के बाद आई है।

एयरलाइन ने यात्रियों को दिया आश्वासन

एयरलाइन ने कहा कि हम जानते हैं कि बीते कुछ दिन आपलोगों के लिए मुश्किल भरे रहें। हालांकि यह परेशानी रातों–रात खत्म नहीं होगी, लेकिन हम आश्वासन देते हैं कि जल्द से जल्द सभी चीजें अपनी सामान्य स्थिति में आ जाएंगी।

शुक्रवार को इंडिगो की सभी उड़ानें रद्द

इंडिगो ने बताया कि शुक्रवार को सर्वाधिक उड़ानें रद्द की गईं, ताकि शेड्यूल और सिस्टम को रीबूट किया जा सके और शनिवार से सुधार शुरू हो सके। कंपनी के अनुसार, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए के साथ समन्वय में काम करते हुए शॉर्ट–टर्म कैंसिलेशन के जरिए एयरपोर्ट पर भीड़ कम कर संचालन को सुचारु बनाने की कोशिश की जा रही है।

यात्रियों को राहत देने के लिए कई घोषणाएं

एयरलाइन ने यात्रियों को राहत देने के लिए कई फैसलों की घोषणा की है। कैंसिल हुई उड़ानों का किराया अपने आप मूल पेमेंट मोड में रिफंड किया जाएगा। साथ ही 5 दिसंबर 2025 से 15 दिसंबर 2025 के बीच की बुकिंग पर कैंसिलेशन और री–शेड्यूलिंग पूरी तरह मुफ्त होगी। कंपनी ने यात्रियों के लिए विभिन्न शहरों में हजारों होटल कमरे और सतही परिवहन की व्यवस्था करने का दावा भी किया है। हवाई अड्डों पर फूड–स्नैक्स और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लाउंज सुविधा भी उपलब्ध कराने की कोशिश हो रही है। इंडिगो ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि उड़ान स्थिति वेबसाइट पर देखें और रद्द हुई उड़ानों के बावजूद एयरपोर्ट न पहुंचें। साथ ही कंपनी ने बताया कि कॉल सेंटर क्षमता बढ़ाई गई है और उसका एआई असिस्टेंट श्6मेंपश रिफंड, रीबुकिंग और जानकारी देने के लिए मदद करेगा। एयरलाइन ने कहा कि ग्राहक पिछले 19 वर्षों से जिस भरोसे और प्यार के साथ उसका समर्थन कर रहे हैं, उसे वापस पाने के लिए कंपनी हर कदम उठाएगी। इंडिगो ने आश्वस्त किया कि संचालन में क्रमिक सुधार दिखेगा और अपडेट लगातार साझा किए जाएंगे। अंत में कंपनी ने एक बार फिर सभी यात्रियों से हार्दिक क्षमा मांगी।

ब्याज दरों में कटौती के बाद बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 447 अंक उछला

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के फैसलों से बाजार में तेजी देखने को मिली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला

बीएसई सेंसेक्स 447.05 अंक या 0.52 प्रतिशत चढ़कर 85,712.37 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 152.70 अंक या 0.59 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 26,186.45 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे गिरकर 89.99 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

आंद्रे रसेल ने तोड़ी चुप्पी, अचानक आईपीएल से संन्यास की असली वजह बताई

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने आईपीएल से अचानक लिए गए संन्यास के फैसले पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में एक ऑलराउंडर के तौर पर खेलना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। रसेल को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने टीम से रिलीज कर दिया था और माना जा रहा था कि नीलामी में उन पर बड़ी बोली लग सकती है, लेकिन इस स्टार ऑलराउंडर ने टूर्नामेंट को अलविदा कह दिया। आईपीएल के आगामी सत्र के लिए मिनी नीलामी अबु धाबी में 16 दिसंबर को होगी।

11 साल तक रहे केकेआर का हिस्सा

11 संस्करणों तक कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए खेलने वाले रसेल के फैसले से प्रशंसक हैरान थे, क्योंकि उम्मीद थी कि केकेआर या कोई और टीम उन्हें नीलामी में जरूर लेगी। हालांकि, अब वह केकेआर के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे और उन्हें पावर कोच नियुक्त किया गया है। रसेल ने बताया कि आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में एक ऑलराउंडर के तौर पर खेलना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। लगातार मैच, यात्रा, ट्रेनिंग और रिकवरी की प्रक्रिया उनके शरीर पर भारी पड़ रही थी।

क्यों लिया आईपीएल से संन्यास?

उन्होंने क्रिकबज से कहा, आईपीएल जैसे बड़े लीग में एक ऑलराउंडर के तौर पर खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग और साथ में जिम, सभी चीजों को बैलेंस करना मुश्किल होता है। आप हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं, और यही दबाव काफी बढ़ जाता है। इस दौरान रसेल ने साफ कहा कि वह कभी सिर्फ एक बल्लेबाज बनकर खेलने

के बारे में सोच ही नहीं सकते। उन्होंने आगे कहा, मेरी बल्लेबाजी और गेंदबाजी एक–दूसरे को पूरा करती हैं। अगर मैं अच्छी गेंदबाजी करता हूं, तो मेरी बल्लेबाजी अपने आप बेहतर होती है। सिर्फ बल्लेबाज बनकर खेलना मैं सोच भी नहीं सकता।

अन्य लीग में खेलते रहेंगे रसेल

रसेल ने आईपीएल से संन्यास की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा, श्मैं आईपीएल से संन्यास ले रहा हूं। आईपीएल की यात्रा शानदार रही, 12 वर्षों की यादें और केकेआर परिवार से काफी प्यार मिला। मैं दुनिया की अन्य लीग में अभी भी छक्के लगाऊंगा और विकेट लूंगा। सबसे अच्छी बात यह है कि मैं घर नहीं छोड़ रहा हूं। आप मुझे नई भूमिका में देखेंगे। केकेआर के सहायक स्टाफ के तौर पर 2026 में पावर कोच। नया अध्याय, लेकिन वही ऊर्जा, हमेशा नाइट का हिस्सा।

मिचेल स्टॉर्क ने वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद जीता दिल

पाकिस्तानी गेंदबाज को बताया महान

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने गुरुवार को गाबा में खेले जा रहे पिंक–बॉल टेस्ट में इतिहास रच दिया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दिन वसीम अकरम को पछाड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बनने का गौरव हासिल किया, लेकिन रिकॉर्ड तोड़ने के बाद स्टार्क ने जिस अंदाज में पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज की तारीफ की, उसने क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया।

अकरम को बताया असली 'GOAT'

स्टार्क ने हैरी ब्रूक को आउट कर वसीम अकरम को पीछे छोड़ बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह 418 विकेट लेकर टेस्ट में 15वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। मजेदार बात यह है कि ब्रूक का विकेट लेने से पहले स्टार्क ने दिन की शुरुआत बेन डकेट को पहली ही गेंद पर बोल्ड करके की थी और इसके बाद ओली पोप को आउट कर अकरम के बराबर पहुंचे थे। ब्रूक को आउट कर स्टार्क अकरम से आगे निकले, फिर विल जैक्स, ब्रायडन कार्स और गस एटकिंसन को आउट कर हरभजन सिंह से आगे निकल गए। रिकॉर्ड बनने के बाद स्टार्क ने कहा, मैं इस पर बाद में विचार करूंगा। वसीम अब भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों में सबसे ऊंचे दर्जे पर हैं। वह अब भी मुझसे बेहतर हैं। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि उन्हें अब भी नहीं पता कि वह पिंक गेंद से इतना अच्छा कैसे खेलते हैं।

वसीम अकरम की प्रतिक्रिया– सुपर स्टार्क!

वसीम अकरम ने भी इस उपलब्धि पर स्टार्क को बधाई देते हुए शानदार संदेश लिखा। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कहा, सुपर स्टार्क! तुम पर गर्व है। यह सिर्फ वक्त की बात थी। इसी तरह कमाल दिखाते रहो। इस संदेश के बाद क्रिकेट जगत के कई दिग्गजों ने कहा कि यही खेल की असली सुंदरता है। एक फैन ने लिखा– प्रतिस्पर्धा के साथ सम्मान जरूरी है।

शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी

स्टार्क ने पहले दिन छह विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी को बड़ा झटका दिया।

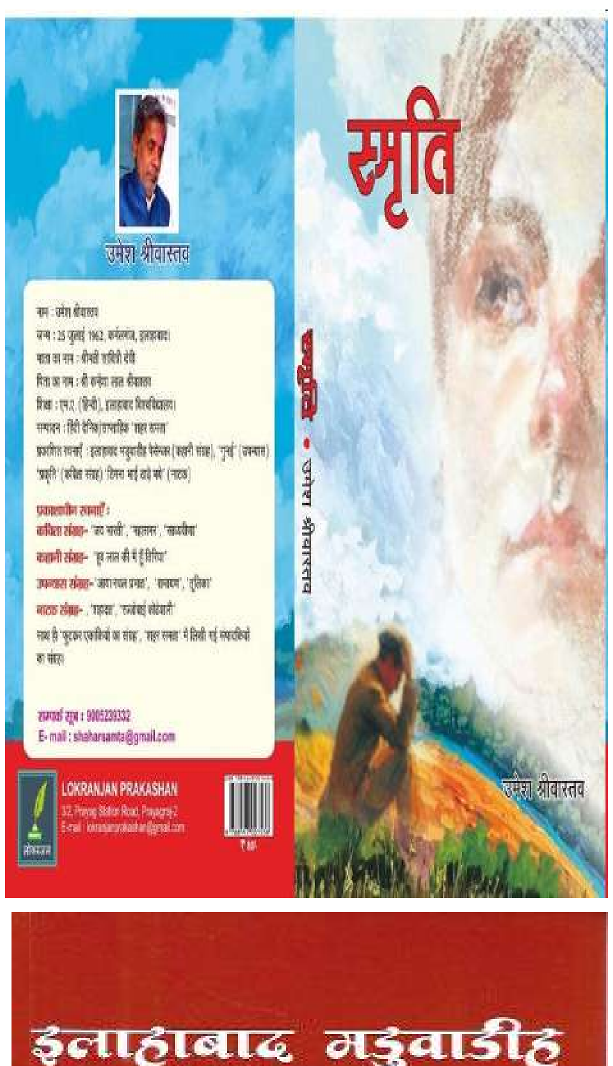

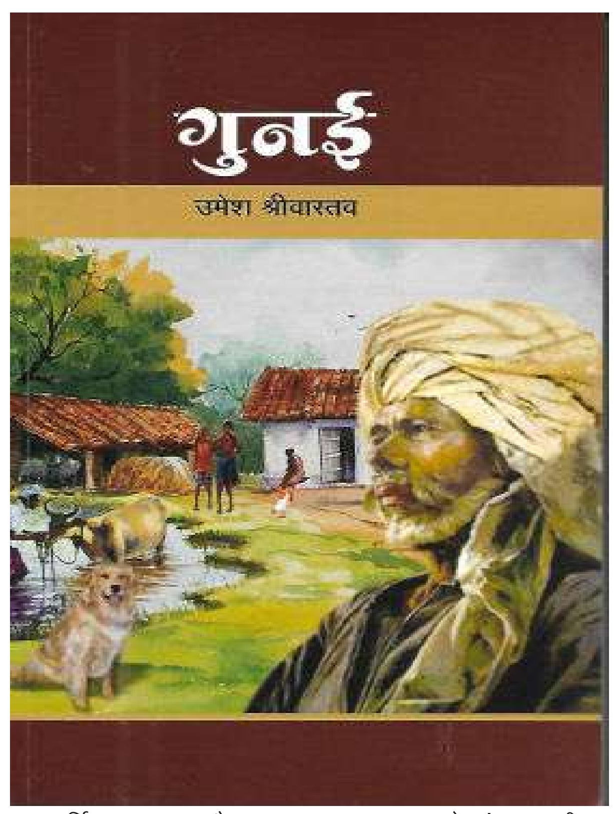

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

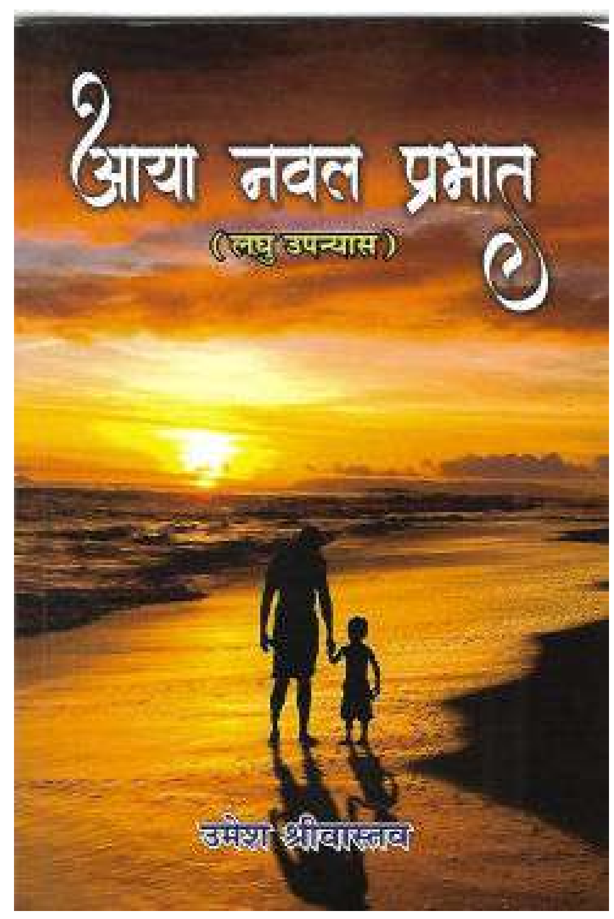

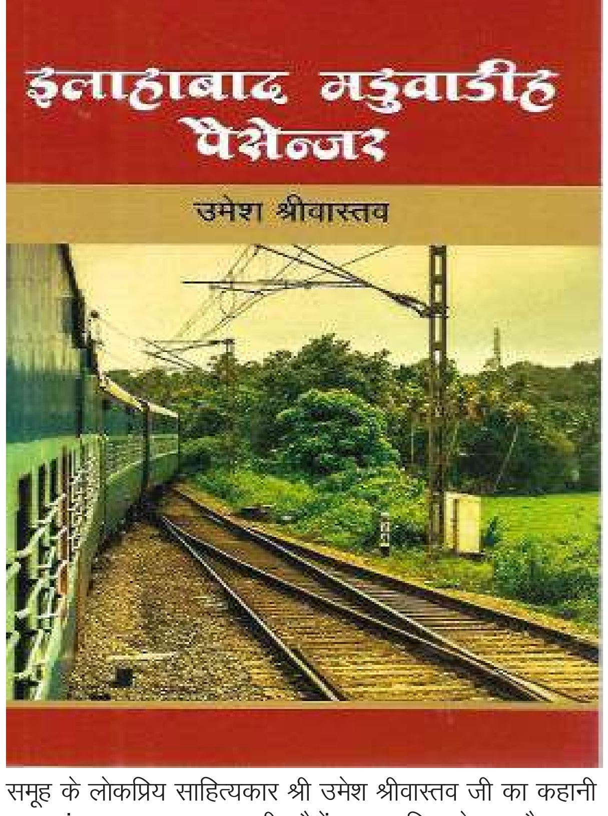

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

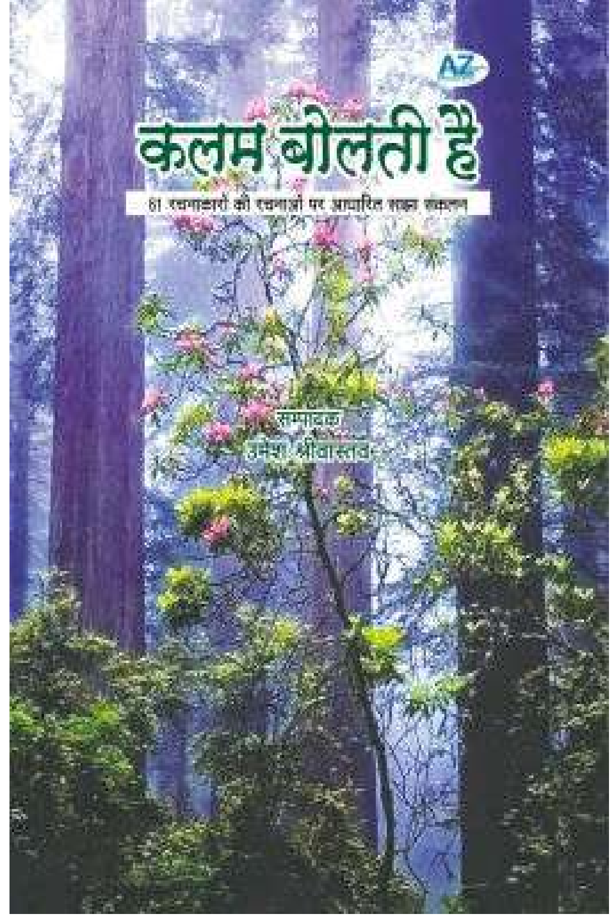

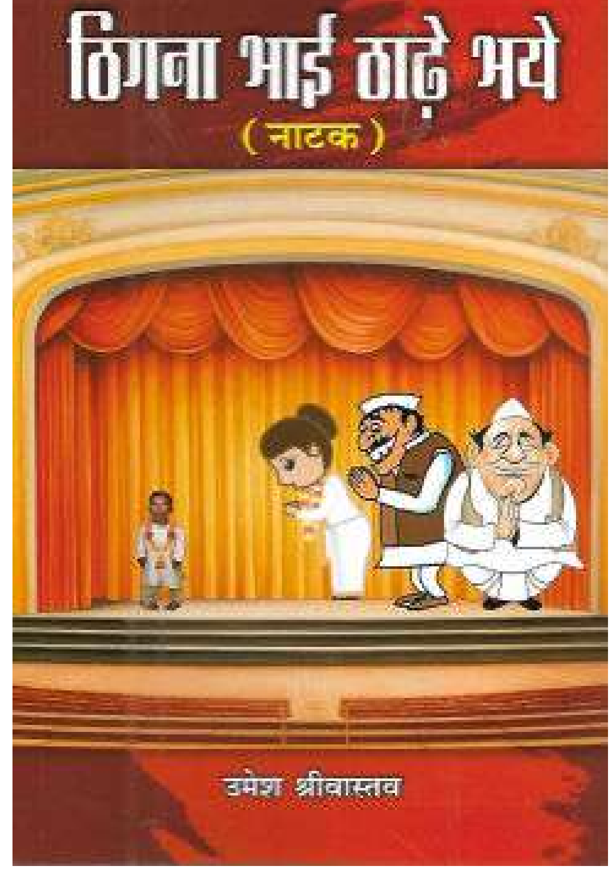

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्कूली छात्राओं पर धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप, जांच शुरू

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कुछ हिंदू स्कूली छात्राओं को पढ़ाई जारी रखने के लिए कथित तौर पर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए कहा गया, जिसके बाद सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नवंबर के अंत में, सिंध के मिरपुर साक्रो में स्थित सरकारी उच्च विद्यालय की कुछ हिंदू छात्राओं के माता–पिता ने मीडिया को बताया था कि स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने कथित रूप से हिंदू छात्राओं से कहा था कि वे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपना लें। माता–पिता ने आरोप लगाया कि हिंदू छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया और उनके धर्म का मजाक उड़ाया गया। इस आरोप के बाद आक्रोश फैल गया। माता–पिता ने यह दावा भी किया कि इस्लाम धर्म अपनाने या कलमा पढ़ने से इनकार करने पर कुछ छात्राओं को उनके घर लौटा दिया गया। धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खीसो मल खील दास ने बृहस्पतिवार को संसद के उच्च सदन सीनेट को बताया कि प्रांतीय शिक्षा मंत्री ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है।

चक्रवाती तूफान दित्वाह से श्रीलंका में तबाह हुए हजारों घर, भारत पुनर्निर्माण में करेगा मदद

कोलंबो। श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दित्वाह से 486 लोगों की मौत हुई और हजारों घर तबाह हो गए और बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। चक्रवाती तूफान के असर से श्रीलंका में बाढ़, भूस्खलन की समस्या अभी भी बनी हुई है। ऐसे में भारत ने श्रीलंका की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। श्रीलंका

में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के आवास और निर्माण मंत्री सुसील रानासिंघे से मुलाकात की। इस मुलाकात में चक्रवाती तूफान से हुई भारी तबाही और पुनर्निमाण कार्यों को लेकर चर्चा की। भारतीय उच्चायुक्त ने शुक्रवार को एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, उनकी और श्रीलंकाई मंत्री के बीच हुई मुलाकात में दोनों ने चक्रवात दित्वाह के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्वास की जरूरतों पर चर्चा की। श्रीलंका के आवास क्षेत्र में भी भारत–श्रीलंका विकास सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। शुक्रवार सुबह श्रीलंका के आपदा प्रबंधन विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 16 नवंबर से खराब मौसम की वजह से आई भयानक बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 486 लोग मारे गए हैं और 341 लोग लापता हैं। आंकड़ों के मुताबिक, चक्रवाती तूफान के बाद श्रीलंका में 2,303 घर पूरी तरह से तबाह हो गए हैं, जबकि 52,489 घरों को नुकसान हुआ है। भारत ऑपरेशन सागर बंधु के तहत पहले ही श्रीलंका को मानवीय मदद दे रहा है, जिसमें बड़े पैमाने पर हवाई, समुद्री और जमीनी ऑपरेशन चलाकर प्रभावित लोगों को तुरंत राहत पहुंचाई जा रही है।

शहबाज शरीफ ने जरदारी से मुनीर को देश का पहला सीडीएफ नियुक्त करने का औपचारिक अनुरोध किया

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से देश के सेनाध्यक्ष (सीओएएस) फील्ड मार्शल असीम मुनीर को पाकिस्तान के रक्षा बलों का कमांडर (सीडीएफ) नियुक्त करने का बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से अनुरोध किया। पिछले महीने, संसद ने 27वें संविधान संशोधन को पारित किया, जिसमें सीडीएफ के पद को सृजित करने का प्रावधान किया गया। 'चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ

कमेटी'' (सीजेसीएससी) का पद समाप्त कर यहां सीडीएफ का पद शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने फील्ड मार्शल मुनीर को सेना प्रमुख और सीडीएफ के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी और फिर इसे राष्ट्रपति भवन को भेज दिया।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बसंत उत्सव के दौरान पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध 20 साल बाद हटा

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कलाकारों और नागरिक समाज के सदस्यों के दबाव के बीच बसंत उत्सव के दौरान पतंग उड़ाने पर लगा प्रतिबंध 20 वर्षों के बाद हटा लिया गया है। मरियम नवाज के नेतृत्व वाले प्रशासन के फैसले से एक करोड़ तीस लाख की आबादी वाले प्रांत के शहरों और गांवों में व्यापक उत्साह पैदा हो गया है। सर्दियों के अंत में वसंत ऋतु के आगमन के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला बसंत उत्सव पूरे प्रांत में सामुदायिक उत्सव का अवसर रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

ट्रंप प्रशासन ने "अमेरिका फर्स्ट" समझौतों के तहत केन्या से किया पहला समझौता

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने "अमेरिका फर्स्ट" वैश्विक स्वास्थ्य अनुदान समझौतों के तहत पहला समझौता किया है। इन समझौतों के तहत उन देशों में संक्रामक बीमारियों से लड़ने को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्हें राष्ट्रपति की व्यापक विदेश नीति के लक्ष्यों और रुख के अनुरूप माना जाता है। केन्या के साथ 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर के पांच वर्षीय इस समझौते पर बृहस्पतिवार को केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता उन विभिन्न पुराने स्वास्थ्य समझौतों की जगह लेगा, जिन पर दशकों तक अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) काम करती थी। ट्रंप प्रशासन ने इस वर्ष की शुरुआत में यूएसएआईडी को खत्म कर दिया था। यूएसएआईडी को खत्म किए जाने से वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय में व्यापक चिंताएं फैल गई थीं और ट्रंप प्रशासन के इस फैसले की काफी आलोचना हुई थी क्योंकि इस कदम से विकासशील देशों को विभिन्न कार्यक्रमों के तहत मिलने वाला अनुदान बंद हो गया था। इस फैसले के तहत मातृ एवं शिशु देखभाल, पोषण तथा एचआईवी/एड्स विरोधी कार्यक्रमों में कटौती की गई थीं। रुबियो ने कहा कि केन्या के साथ हुए इस समझौते का मकसद "वैश्विक स्वास्थ्य में अमेरिकी नेतृत्व और उत्कृष्टता को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि साथ ही यह समझौता हमारी विदेशी सहायता प्रणाली पर से निर्भरता को भी समाप्त कर देगा। उन्होंने हैती में शक्तिशाली गिरोहों से निपटने में सहायता के लिए केन्या की प्रशंसा भी की। केन्या के साथ हुए इस स्वास्थ्य समझौते के तहत कुल राशि में से 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान अमेरिका करेगा, जबकि शेष 850 मिलियन डॉलर केन्या सरकार वहन करेगी। यह समझौता एचआईवी/एड्स, मलेरिया और तपेदिक जैसी बीमारियों की रोकथाम और उपचार पर केंद्रित है। अधिकारियों के अनुसार, वर्ष के अंत तक कई अन्य अफ्रीकी देशों और अमेरिका के बीच ऐसे ही समझौतों पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है। हालांकि महाद्वीप के दो सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका ट्रंप के साथ राजनीतिक मतभेदों के कारण संभवतः कोई समझौता नहीं करेंगे।

निजी फोन पर गोपनीय सैन्य जानकारी साझा कर फंसे अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ, पेंटागन रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ एक बड़े विवाद में घिर गए हैं। पेंटागन के इंस्पेक्टर जनरल की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हेगसेथ ने यमन में होने वाले एक सैन्य हमले की संवेदनशील जानकारी अपने निजी फोन और अनधिकृत मैसेजिंग ऐप सिग्नल पर साझा की थी। रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम अमेरिकी सैनिकों और उनके मिशन के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता था। रिपोर्ट में कहा गया कि हेगसेथ ने जिन जानकारियों को भेजा (जैसे हमले का समय और विमानों की संख्या) वह संवेदनशील थीं और दुश्मन देशों या हूती मिलिशिया के हाथ लगने पर अमेरिकी पायलटों का मिशन असफल हो सकता था।

गलती सामने कैसे आई?

पेंटागन जांच में पाया गया कि हेगसेथ के पास जानकारी डिक्लासिफाई करने का अधिकार था, लेकिन संवेदनशील सैन्य जानकारी निजी फोन पर साझा करना विभागीय नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी अगर यह जानकारी अमेरिकी विरोधियों के हाथ लग जाती, वे हमलों से बचने या पलटवार करने की स्थिति में आ जाते। यह मामला तब उजागर हुआ जब अटलांटिक के पत्रकार जेफ्री गोल्डबर्ग को गलती से उसी सिग्नल चौट में जोड़ दिया गया जिसमें यह जानकारी साझा हुई थी। डेमोक्रेटिक और कई रिपब्लिकन सांसदों ने इस घटना को गंभीर खतरा बताते हुए कहा कि अगर कोई निचले पद का अधिकारी ऐसा करता, तो उसे तुरंत बर्खास्त कर दिया जाता।

हेगसेथ की सफाई

सोशल मीडिया पर हेगसेथ ने अपने बचाव में लिखा कोई गोपनीय जानकारी नहीं थी। मामला खत्म। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने सिर्फ अनक्लासिफाइड सारांश साझा किया था और इससे किसी की सुरक्षा को खतरा नहीं था।

और भी विवादों में घिरे हैं हेगसेथ

हेगसेथ पहले ही कैपिटल हिल में सवालों के घेरे में हैं, जहां उन पर कैरेबियन सागर में एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी वाली नाव पर की गई कार्रवाई में मौतों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कथित रूप से शकिल एवरीवनश आदेश दिया था।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन पर किया मुकदमा

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन के खिलाफ अदालत का रुख किया है। अखबार का कहना है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा लागू किए गए नए मीडिया नियम असंवैधानिक हैं और इन्हें खत्म किया जाना चाहिए। इन नियमों की वजह से ज्यादातर बड़े मीडिया संगठनों को पेंटागन परिसर से बाहर कर दिया गया है। अखबार ने कहा कि ये नियम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और निष्पक्ष प्रक्रिया के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, क्योंकि इससे हेगसेथ को यह अधिकार मिल जाता है कि वह अपने हिसाब से तय करें कि कौन सा पत्रकार पेंटागन में आ सकता है और कौन नहीं। न्यूयॉर्क टाइम्स और अन्य मीडिया संस्थान इन नियमों से सहमत न होने के चलते पेंटागन से बाहर हो गए। पेंटागन ने इस मुकदमे पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

पुतिन के भारत दौरे से पाकिस्तान में मचा हड़कंप, सत्ता के गलियारों से लेकर टीवी स्टूडियो तक दिख रही चिंता की लहर

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने पाकिस्तान के सत्ता गलियारों और मीडिया स्टूडियो में ऐसी घबराहट पैदा कर दी है, जैसी किसी सैन्य टकराव से पहले होती है। इस्लामाबाद से लेकर रावलपिंडी तक, हर टेबल पर सिर्फ एक ही चर्चा है कि पुतिन भारत आए, लेकिन पाकिस्तान क्यों नहीं जाते? पाक मीडिया में यह भी चर्चा है कि भारतदृरूस के बीच होने वाले रक्षा समझौते पाकिस्तान के लिए कितने बड़े खतरे साबित होंगे। देखा

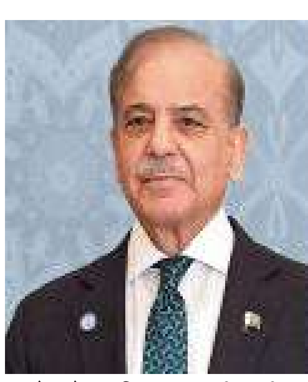

जाये तो पाकिस्तान की पूरी राजनीतिक और सुरक्षा व्यवस्था बेचैनी में है, मानो किसी भारी भू–राजनीतिक बदलाव का एहसास उन्हें पहले ही हो चुका हो। पाकिस्तान को पता है कि पुतिन की यह यात्रा केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि तेल, ऊर्जा, सुरक्षा और रक्षा साझेदारी को एक नई ऊंचाई देने वाली है।ँ–400,ँन–57 और संभावितँ–500 जैसे टॉप–टियर सिस्टम पर चर्चा से पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान में खलबली मच गई है। यही कारण है कि जब पूरी दुनिया भारतदृरूस साझेदारी की मजबूती पर रिपोर्ट कर रही है, तब पाकिस्तान के टीवी चौनलों पर तथाकथित "एक्सपर्ट" खुद को यह कहकर सांत्वना देते दिखाई दे रहे हैं कि "किर्गिस्तान के राष्ट्रपति आये थे, जॉर्डन के राजा आए थे, ईरान के सलाहकार आए थेश्श आदि आदि। मानो इससे भारतदृरूस की महाशक्ति–स्तर की साझेदारी का महत्व कम हो जाएगा। असलियत यह है कि पाकिस्तान की बेचैनीँ–500 याँन–57 की चर्चा से नहीं, बल्कि उस कड़वी सच्चाई से है कि रूस, अमेरिका, फ्रांस, जापान और यूरोपीय संघ जैसी वैश्विक शक्तियाँ भारत को एशिया की स्थिरता का केंद्र मानती हैं और पाकिस्तान को क्षेत्रीय अस्थिरता का स्रोत। यही कारण है कि पाकिस्तानी पत्रकार भी अब मानने लगे हैं कि "भारत अपनी सैन्य ताकत को जिस स्पीड से बढ़ा रहा है, पाकिस्तान उसके सामने दो दशक पीछे खड़ा है।" भारत आज मिसाइल तकनीक, रक्षा उत्पादन, रणनीतिक साझेदारी और स्वदेशी हथियार प्रणालियों जैसे तेजस, पिनाका, अग्नि और आकाश में वह बढ़त हासिल कर चुका है, जिसकी पाकिस्तान कल्पना भी नहीं कर सकता। इसके विपरीत पाकिस्तान विदेशी सहायता, उधार और अस्थिर अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। यही गहरी असमानता पाकिस्तानी पैनलिस्टों की बौखलाहट और एंकरों की तीखी बयानबाज़ी में साफ झलकती है। लेकिन पाकिस्तान की सबसे बड़ी बेचैनी किसी हथियार प्रणाली को लेकर नहीं है, उसकी नींद इसलिए उड़ गई है क्योंकि पुतिन ने भारत के मंच से आतंकवाद के खिलाफ खुली, स्पष्ट और सख्त लाइन खींच दी है। पुतिन का बयान कि "आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में रूस पूरी तरह भारत के साथ है", पाकिस्तान के लिए भू–राजनीतिक झटका है। यह बयान लाइव कैमरे पर आया और पाकिस्तान में राजनीतिक हलकों तक इसकी गूँज सुनाई दी। पुतिन ने भारतीय मीडिया से यह भी कहा कि "भारत के साथ अब वह व्यवहार नहीं किया जा सकता जो दशकों पहले किया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी दबाव में आने वाले नेता नहीं हैं।" यह संदेश सीधे–सीधे उन देशों के लिए था जो भारत को आज भी बीते युग की नजर से देखते हैं। अब सवाल यह भी उठता है कि पुतिन पाकिस्तान क्यों नहीं जाते? देखा जाये तो इसका जवाब सरल और कड़वा दोनों है। रूस की विदेश नीति में पाकिस्तान की प्रासंगिकता लगभग शून्य है। पाकिस्तान न स्थिर अर्थव्यवस्था है, न भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार और न ही कोई वैश्विक प्रभाव वाला देश है। वहीं भारत एक वैश्विक शक्ति, दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक और रूस का दशकों से सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। स्थिरता, विश्वसनीयता, बाज़ार क्षमता और सामरिक महत्व, हर मीट्रिक पर भारत रूस की पहली पसंद है। पाकिस्तान अपनी राजनीतिक अस्थिरता, आतंकवादी ढाँचों और आर्थिक गिरावट के चलते मॉस्को के लिए केवल जोखिम है, साझेदार नहीं। इसलिए पुतिन भारत आते हैं और पाकिस्तान सिर्फ देखता है। बहरहाल, भारतदृरूस की मजबूत होती साझेदारी दक्षिण एशिया के शक्ति–संतुलन को नया रूप दे रही है और पाकिस्तान के लिए यह कड़वा यथार्थ स्वीकार करना दिन–ब–दिन मुश्किल होता जा रहा है।

रूस का यूक्रेन पर भीषण हमला, 15 लाख लोग अंधेरे में

कीव/मास्को। यूक्रेन पर रूस के ताजा हमलों ने युद्ध को एक बार फिर बेहद खतरनाक मोड़ पर ला खड़ा किया है। पिछले 48 घंटे के भीतर यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक रूसी सेना ने लगभग 36 बैलिस्टिक मिसाइलों और करीब 600 ड्रोन के जरिए व्यापक हमला किया, जिसमें कई बड़े ऊर्जा संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए हैं और लगभग 15 लाख लोग अंधेरे में डूब गए हैं। खेरसोन, सूमी का बड़ा हिस्सा, खारकीव शहर और खारकीव क्षेत्र के विल्वा स्थित सैन्य अड्डे पर हुए हमलों ने न सिर्फ बिजली आपूर्ति ठप कर दी, बल्कि यूक्रेन की सैन्य क्षमताओं और नागरिक ढांचे दोनों को गंभीर चोट पहुंचाई है। इन हमलों के दौरान 20 से अधिक नागरिकों के मारे जाने की भी खबर है। यूक्रेनी मीडिया सस्पिल्ने और किर्विक इंडिपेंडेंट के अनुसार यूक्रेनी ऊर्जा मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन के हवाले से मिल रही जानकारी के अनुसार रूस ने इस हमले की प्राथमिक दिशा के रूप में ऊर्जा अवसंरचना और सैन्य अड्डों को चुना। खेरसोन और सूमी क्षेत्र में प्रमुख विद्युत उपकेंद्रों और ट्रांसफॉर्मर स्टेशनों को निशाना बनाए जाने की वजह से पूरे इलाकों में लंबे समय के लिए बिजली कटौती लागू करनी पड़ी। खारकीव शहर और उसके आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित होने के साथदृसाथ पानी के पंपिंग स्टेशन और ट्राम–मेट्रो जैसी शहरी सुविधाएं ठप हो गईं।

हम दुनिया में शांति ला रहे, रूस–यूक्रेन युद्ध रुकवाने की कोशिशों के लिए ट्रंप ने खुद की पीठ थपथपाई

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को रूस–यूक्रेन युद्ध रुकवाने की अपनी कोशिशों के लिए खुद की पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि अमेरिका पूरी दुनिया में शांति ला रहा है। ट्रंप ने कहा हम इतनी तेजी से युद्ध रुकवा रहे हैं कि पहले ऐसा कभी नहीं देखा गया। ट्रंप ने ये भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने हाल ही में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात में संकेत दिए हैं कि वे युद्ध खत्म करना चाहते हैं।

ट्रंप बोले– हम रूस–यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे

डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में कहा, श्हम इतनी तेजी से युद्ध रुकवा रहे हैं कि पहले ऐसा कभी नहीं देखा गया। हम अब तक आठ युद्ध रुकवा चुके हैं। अब हम एक और युद्ध रुकवाने की कोशिशों में जुटे हैं और वो है रूस–यूक्रेन युद्ध और हमें लगता है कि हम आखिरकार युद्ध रुकवाने में कामयाब होंगे। बीते हफ्ते 8000 सैनिक मारे गए। बीते महीने 27 हजार सैनिक मारे गए। हमें इसे रोकना होगा और हम इसे रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर भी रहे हैं।

बैठक के बाद पुतिन ने कहा– सहमति बनाना मुश्किल काम

वहीं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को साफ कहा कि मॉस्को अपने सुरक्षा हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति पुतिन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। यह मुलाकात पांच घंटे चली थी लेकिन बैठक किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। बैठक के बाद एक बयान में पुतिन ने कहा श्यह एक जरूरी और काम की बातचीत थी, लेकिन सहमति बनाना एक मुश्किल काम है। बैठक के बाद पुतिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने जोर देकर कहा कि बातचीत पूरी तरह गोपनीय थी। हमने तय किया है कि बातचीत की असली बातें बाहर नहीं बताई जाएंगी। उनके मुताबिक, अभी तक कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। लेकिन कूटनीतिक बातचीत जारी है। क्रेमलिन के सलाहकार ने यह भी कहा, श्पुतिन ने विटकॉफ को कुछ अहम राजनीतिक संदेश सीधे राष्ट्रपति ट्रंप तक पहुंचाने को कहा है। उन्होंने कहा, वह अपनी रिपोर्ट ट्रंप को देंगे और फिर हमसे संपर्क करेंगे। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच आगे भी बातचीत होगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

2025 में सबसे अधिक गलत बोले गए शब्दों की सूची जारी, मामदानी और लूवर म्यूजियम के नाम भी शामिल

डलास। इस साल की खबरों में कई नामों का उच्चारण सही से नहीं किया गया, जिसने अमेरिकी नागरिकों को उलझन में डाल दिया। इनमें न्यूयॉर्क के नए मेयर जोरान मामदानी और पेरिस के मशहूर लूवर म्यूजियम का नाम भी शामिल हैं। इस साल इन दो नामों का सर्वाधिक गलत उच्चारण किया गया। दरअसल, एक सूची जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि किन नामों का सबसे ज्यादा बार गलत उच्चारण किया गया। भाषा सिखाने वाली कंपनी बैबेल और कैप्शन बनाने वाली कंपनी द कैप्शनिंग ग्रुप ने गुरुवार को यह सूची जारी की। इसमें वे शब्द हैं जिन्हें अमेरिका के टीवी एंकर, नेता और दूसरे लोग पूरे साल गलत बोलते रहे। इससे पता चलता है कि लोग किन चीजों के बारे में सबसे ज्यादा बात कर रहे थे। मामदानी जैसे–जैसे राजनीति में ऊपर आते गए, लोग उनके नाम को गलत बोलते रहे। जनवरी में जब वह मेयर बनेंगे, तो वह शहर के पहले मुस्लिम मेयर होंगे। वह पहले अफ्रीका में जन्मे और पहले दक्षिण एशियाई मूल के मेयर होंगे। बैबेल का कहना है कि उनके नाम का सही उच्चारण 'जो–रान माम–दानी' है। लोग उनके नाम के 'एम' और 'एन' को बदलकर गलत बोल देते हैं। मामदानी ने कहा कि अगर कोई कोशिश करता है और उनका नाम गलत बोल देता है तो उन्हें परेशानी नहीं होती, लेकिन कुछ लोग जानबूझकर गलत बोलते हैं।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।